

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...



वर्ष - 10 अंक 03, 27 अप्रैल से 03 मई 2025

मूल्य - 10 रुपये | पृष्ठ 8

जान्हवी ने पीरियड्स के दर्द को कम आंकने वाले पुरुषों पर साधा निशाना

3

मेक इन इंडिया हथियार... जो पाकिस्तान के कान से निकाल देंगे धुआं!

■ नई दिल्ली

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा है। इस बीच भारतीय सेना भी किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार है। भारत के पास कई स्वदेशी हथियार हैं, तो पाकिस्तान के हथियार भी उड़ा सकते हैं। स्वदेशी इंजीनियरिंग और अत्याधुनिक तकनीक से लेस ये हथियार पाकिस्तान की रातों की नींद हराम करने के लिए काफी हैं। आइए, जानते हैं उन टॉप 10 मेक इन इंडिया हथियारों के बारे में, जिनकी गूंज से दुश्मन के कैप में धुआं ही धुआं निकलने वाला है!

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल



यह भारत और रूस के संयुक्त उद्यम से विकसित सुपरसोनिक मिसाइल है, जिसकी गति 2.8 मैक (लगभग 3,400 किमी/घंटा) है। इसकी रेंज 450-600 किमी तक है, और यह जमीन, समुद्र,

और हवा से लॉन्च हो सकती है। ब्रह्मोस की सटीकता और स्पीड इसे दुश्मन के टिकानों को पलक झपकते ही खत्म कर सकती है।

तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट



यह स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान है, जो मल्टी-रोल मिशन के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी अधिकतम गति 1.8 मैक है, और यह हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के हथियार ले जा सकता है। तेजस भारतीय वायुसेना की रीढ़ बन रहा है और मिग-21 जैसे पुराने विमानों का स्थान ले रहा है।

अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल यह एक बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी रेंज 5,000-8,000 किमी है। यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है और MIRV (मल्टीपल इंडिपेंडेंटली



टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल) तकनीक से लेस है। अग्नि-5 मिसाइल हजारों किमी दूर बैठे दुश्मन का खात्मा करने में सक्षम है।

पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर



यह स्वदेशी रॉकेट सिस्टम 44 सेकेंड में 12 रॉकेट दाग सकता है, जिसकी रेंज 7 से 90 किमी तक है। यह उच्च विस्फोटक और क्लस्टर munitions ले जा सकता है। पिनाका युद्धक्षेत्र में दुश्मन के टिकानों को तेजी से नष्ट करने में सक्षम है।

आकाश एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम

यह मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी रेंज 25-30 किमी है। यह दुश्मन के विमानों, ड्रोन, और क्रूज मिसाइलों को नष्ट कर सकती है। आकाश भारतीय वायु रक्षा को मजबूत करता है और इसका निर्यात भी हो रहा है। इसका नया वर्जन, आकाश-ट्रक और भी एडवांस है।



प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर

यह दुनिया का एकलौता हेलिकॉप्टर है जो 5,000 मीटर की ऊंचाई पर उड़ान भरता है। यह मिसाइल, रॉकेट, और तोपों से लेस है। प्रचंड ऊंचाई वाले क्षेत्रों जैसे लद्दाख में दुश्मन के बखतरबंद वाहनों और बंदरों को नष्ट करने में सक्षम है।



अर्जुन मेन बैटल टैंक

यह स्वदेशी वॉर टैंक है, जो 120 मिमी की राइफल गन और उन्नत फायर कंट्रोल सिस्टम से लेस है। इसका वजन 68 टन है, और यह लेजर-गाइडेड मिसाइल दाग सकता है। अर्जुन भारतीय सेना को रेगिस्तानी और मैदानी युद्धक्षेत्रों में मजबूत बनाता है। इसका मार्क-1ए वर्जन और भी एडवांस है।



एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम

यह 155 मिमी/52 कैलिबर की हॉवित्जर है, जिसकी रेंज 48 किमी तक है। यह हाई स्पीड और ऑटोमैटिक गोला-बारूद मैनेजमेंट के साथ डिज़ाइन की गई है। ATAGS भारतीय सेना की तोपखाने की क्षमता को बढ़ाता है और इसे जल्द ही बड़े पैमाने पर शामिल किया जाएगा।



प्रलय बैलिस्टिक मिसाइल

यह छेटी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी रेंज 150-500 किमी है। यह पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकती है। प्रलय सीमावर्ती क्षेत्रों में दुश्मन के टिकानों को तेजी से नष्ट करने में कारगर है।



आईएनएस विक्रांत

विमानवाहक पोत

यह भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत है, जो 40000 टन विस्थापन के साथ 30 लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर ले जा सकता है। व्हर विक्रांत भारतीय नौसेना को हिंद महासागर क्षेत्र में प्रभुत्व प्रदान करता है और भारत को दुनिया देशों की सूची में शामिल करता है जो विमानवाहक पोत बना सकते हैं।



भारत के एक्शन से घबराया पड़ोसी मुल्क, देशभर में पाकिस्तानी नागरिकों की तलाश

भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान के फूले हाथ-पांव

दबाव और दहशत



कश्मीर में आतंकी का घर जमींदोज

पाक पीएम ने कहा-

आतंकी हमले की 'तटस्थ-पारदर्शी' जांच को तैयार

इधर, भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी

मीडिया को एडवाइजरी, सरकार ने डिफेंस ऑपरेशन और मूवमेंट की कवरेज पर लगाई रोक

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारत सरकार ने सभी मीडिया चैनल्स को सख्त निर्देश जारी किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज पर रोक लगा दी है। यह निर्देश टीवी चैनल्स, डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया सहित सभी माध्यमों पर लागू होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि कोई भी मीडिया संस्थान सुरक्षा बलों के संवाहन, उनकी रणनीति या गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार की रियल-टाइम जानकारी प्रसारित नहीं करेगा। इसके साथ ही 'सूत्रों के हवाले से' की जाने वाली ऐसी किसी भी रिपोर्टिंग पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। नियंत्रण के मुताबिक, यह निर्णय विशेष कुछ वर्षों में सुरक्षा अभियानों की लाइव कवरेज से होने वाले नुकसानों को देखते हुए लिया गया है। 26/11 के मुंबई हमले और पुलवामा जैसी घटनाओं में लाइव कवरेज ने आतंकीयों को फायदा पहुंचाया था। नए निर्देशों के अनुसार, अब सुरक्षा अभियानों से संबंधित कोई भी जानकारी केवल सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारियों के अधिकारिक बयानों के माध्यम से ही प्रसारित की जा सकेगी।

क्यों घबरा रहा पाकिस्तान

छह आतंकियों के घर जमींदोज

जम्मू-कश्मीर में अब तक 6 आतंकवादियों के घर गिराए जा चुके हैं। सेना ने त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान यह एक्शन लिया। शोपियां में टेररिस्ट शाहिद अहमद, त्राल में टेररिस्ट आसिफ शेख, अनंतनाग में टेररिस्ट आदिल ठोकेर, पुलवामा में टेररिस्ट हारिस अहमद और कुलगाम में टेररिस्ट जाकिर अहमद गनई का घर गिराया गया है।

एनआईए करेगी जांच

केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब एनआईए इस मामले में औपचारिक रूप से केस दर्ज करके विस्तृत जांच करेगी। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीम पहले से ही पहलगाम में मौजूद थी और हमले के बाद मौके का निरीक्षण कर चुकी है। एजेंसी की फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर सख्त जांच में जुटी हुई है।

डीजीपी ने किया अलर्ट:

अराजक तत्व बिगाड़ सकते हैं यूपी का माहौल, धार्मिक स्थलों पर रहें विशेष सतर्क

■ लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार ने मातहतों को निर्देश दिए हैं कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुये आतंकवादी हमले के बाद कुछ असामाजिक एवं शरारती तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने की साजिश रची जा सकती है। लिहाजा पुलिस हाई अलर्ट पर रहे और धार्मिक स्थलों, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, कश्मीरी छात्रों एवं दुकानदारों आदि की सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि नेपाल बार्डर और सभी अंतरराष्ट्रीय बार्डर पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समुचित पुलिस प्रबंध कर प्रभावी चेकिंग कराई जाए। सभी टोल प्लाजा पर भी आवश्यक पुलिस प्रबंध एवं निगरानी की जाए। नेपाल बार्डर के महराजगंज, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, खीरी, पीलीभीत, बहराइच, बलरामपुर में एम्पएसबी की मदद से चेक पोस्टों पर चौकसी रखी जाए। संवेदनशील क्षेत्रों तथा चिह्नित हॉट स्पॉट पर ड्रोन से निगरानी की जाए। धार्मिक स्थला, पूजा स्थलों पर आपतिजनक सामग्री चर्या करने की हरकतों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए।



महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा का भी खास ध्यान रखा जाए। होटल, धर्मशाला, गैरहाउस, नये किरायेदारों का शत-प्रतिशत पुलिस सत्यापन अवश्य सुनिश्चित कराया जाए। कट्टरपंथिया, असामाजिक तत्वों की निगरानी करें। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर भी सतर्क रहें रखी जाए। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देशों के मुताबिक जिन शाट टर्म वीजा वाले पाकिस्तानी नागरिकों के वापस जाने की मियाद आज खत्म हो रही थी, उन्हें वापस भेज दिया गया है। एक महिला को 30 अदालत को भेजा जाएगा। ऐसे तकरीबन 50 पाकिस्तानी नागरिक एलआईयू के जरिए वापस भेजे गए हैं। अमेरिका और चीन के बीच जारी टेरिफ वार को योगी सरकार खुद के लिए अवसर बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार नई निर्यात नीति लाने जा रही है। इसमें इन्वेस्ट यूपी को और प्रभावी एवं पारदर्शी बनाया जाएगा। देश-दुनिया में बांड यूपी के प्रचार प्रसार के लिए प्रस्तावित निर्यात नीति में निर्यात संवर्धन कोष भी बनेगा। एम्पएसएमई सेक्टर के लिए तो यह टेरिफ वार सुनहरा अवसर साबित हो सकता है। यहां बता दें कि चीन, अमेरिका को रोजमर्रा के सामानों का सबसे बड़ा 148 अरब डॉलर निर्यातक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन सामानों के निर्यात में चीन की हिस्सेदारी करीब 72 फीसदी है, जबकि भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 2 फीसदी। ये तमाम उत्पाद एम्पएसएमई इकाइयों में बनते हैं।

'स्तनों को छूने की कोशिश दुष्कर्म नहीं....'

पॉक्सो मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट की टिप्पणी

■ नई दिल्ली

कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक पॉक्सो के मामले में अजीबोगरीब टिप्पणी की है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि किसी नाबालिग के स्तनों को छूने की कोशिश यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दुष्कर्म के प्रयास की श्रेणी में नहीं, बल्कि गंभीर यौन अपराध की श्रेणी में आता है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से पॉक्सो के तहत एक आरोपी को दोषी ठहराने और सजा सुनाए जाने के आदेश को निलंबित करते हुए यह टिप्पणी की। ट्रायल कोर्ट ने 12 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। बता दें कि पिछले महीने इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से भी इसी तरह की टिप्पणी की थी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया था। सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अरिजीत बनजी और जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की खंडपीठ ने यह भी कहा कि पीड़िता को मेडिकल जांच से यह स्पष्ट नहीं होता कि आरोपी ने दुष्कर्म किया या दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी शराब के नशे में उसकी छाती छूने की कोशिश की। पीठ ने कहा कि पीड़िता का बयान और साक्ष्य पॉक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 10 के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न के आरोप को सही ठहरा सकता है, लेकिन प्रथम दृष्टया दुष्कर्म के प्रयास के अपराध को साबित नहीं करता।



भारत ने सिंधु समझौते पर यूं ही नहीं लगाया ब्रेक, एक दशक की है तैयारी!

'रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते'

■ नई दिल्ली

भारत ने पहलगाम आतंकी हमला के बाद जब से सिंधु समझौते को निलंबित करने की घोषणा की है, तभी से कुछ लोग यह आशंका जता रहे हैं कि क्या यह इतना आसान है। क्योंकि, उनके दिमाग में एक ही बात बैठी है कि यह अंतरराष्ट्रीय समझौते का हिस्सा है, जिसमें वर्ल्ड बैंक ने मध्यस्थता की हुई है। कुछ लोग यह भी दलील दे रहे कि पता नहीं, इश्म में कितना समय लगेगा। लेकिन, शुक्रवार को गुहमंथी अमित शाह के साथ हुई बैठक से ही यह संकेत मिल गया है कि सरकार ने जो कहा है, वह हल्के में नहीं कहा है। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने तत्काल ही बता दिया कि एक भी बूंद नहीं जाने दिया जाएगा और इसपर अमल के लिए



तीन योजनाएं तैयार हैं। हमने सरकार के इस बुलंद हौसले को लेकर कुछ जानकारों से बात की तो पता चला कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार तो इसकी तैयारी करीब एक दशक से

2016 में हो गया था फैसला?

बात 2016 के सितंबर की है। भारत और पाकिस्तान के बीच तब भी तनाव चरम पर था। जानकारी के मुताबिक उसी दौर में तत्कालीन जल मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, 'रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते'। यह बैठक सिंधु जल संधि को लेकर ही थी। तभी इस संधि पर विचार के लिए इंटर-मिनिस्ट्रियल टास्क फोर्स बनाने की बात भी सामने आई थी। इसकी अहमियत इसी से पता चलती है कि इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (टरअ) अजीत डोभाल, तत्कालीन विदेश सचिव और मौजूदा विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल थे। इस बीच इकोनॉमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार भारत सिंधु जल संधि को लेकर कानूनी सलाह ले रहा है। भारत 2022 से सिंधु जल संधि में बदलाव के लिए औपचारिक कोशिश कर रहा है। यह बदलाव किशनगंगा और रैटल परियोजनाओं पर विश्व बैंक की कार्यवाही के कारण है

कर रही है, यह कोई अचानक थोड़े ही हो रहा है! सिंधु जल संधि को रोकने के भारत के फैसले के बारे में एनबीटी ऑनलाइन ने मामले के लगभग हर पहलुओं से वाकफ

वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र पुंडीर से खास बात की थी। उनका कहना है, "कल पाटिल साहब (जल शक्ति मंत्री) ने साफ किया कि वह तुरंत रोकना चाहते हैं। वह पानी को तत्काल

■ सिंधु समझौता को ठंडे बस्ते में डालने के पति बहुत गंभीर है सरकार

रोकना चाहते हैं, ताकि यह लंबे समय का प्रोजेक्ट ना लगे और पाकिस्तान पर इसका असर अभी से पड़ने लगे। ये सवाल बहुत उठ रहे हैं कि भारत अपने दम पर कैसे कर सकता है, इसमें तो वर्ल्ड बैंक है...लिहाजा इसको एक तरफा नहीं किया जा सकता। लेकिन, भारत इसके सभी कानूनी पहलुओं को देख रहा है, जो कि संभव है, क्योंकि बहुत सारी जगहों पर समझौतों के बाद विवाद हुए हैं और उसपर फिर दोबारा से विचार भी किया गया है..."

सम्पादकीय

हिन्दू पर्यटकों की हत्या

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में दिन दिहाड़े जिस तरह नाम पूछकर और धर्म जानने के बाद हिन्दू पर्यटकों की इस्लाम में विश्वास रखने वाले आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्या की गई उससे सारे देश में शोक और रोष है। आतंकियों के हाथों मारे गए उन लोगों को अंतिम विदाई देने के लिए हजारों की संख्या में जो लोग उमड़े उनमें आतंकवादियों प्रति गुस्सा स्पष्ट दिखाई दे रहा था। जम्मू-कश्मीर सहित देश के विभिन्न भागों में बंद और विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। देश व दुनिया में पाकिस्तान द्वारा समर्थित व संरक्षित आतंकवादियों द्वारा किए गए अमानवीय व धिनौने हत्याकांड की आलोचना हो रही है। भारत सरकार ने आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान विरुद्ध सख्त कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने संवाददाताओं को फेसलों से अवगत कराते हुए कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित की जाती है, जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन बंद नहीं कर देता, यह फैसला लागू रहेगा। मिश्री ने बताया कि अटारी एकीकृत जांच चौकी को भी तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है। उनके अनुसार, यह फैसला भी किया गया है कि पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित (पर्सोनॉ नॉन ग्राटा) घोषित किया गया है तथा उनसे एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है।



शुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा। एसवीईएस वीजा के तहत वर्तमान में भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे हैं। भारत और पाकिस्तान के उच्चायोग से जुड़े कर्मियों को संख्या वर्तमान 55 से घटकर 30 की जाएगी। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी बलों को उच्च सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। पूर्व गृहमंत्री चिदंबरम ने एक्स पोस्ट किया, ह्दयह निदर्श पर्यटकों के खिलाफ किया गया कायरतापूर्ण कृत्य है। मैं सरकार से अपने आहंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने का आग्रह करता हूं। चिदंबरम ने कहा कि सरकार को लोगों और विशेषकर पर्यटकों को आश्वस्त करना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में पहुंचने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।हू पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर जाने वाले पर्यटकों ने सुरक्षा कार्यों से बड़े पैमाने पर बुकिंग रद्द करवा दी है। ट्वेल एजेंसियों का कहना है कि 90 फीसद बुकिंग रद्द करा दी गई है। वहीं देशभर में 15 हजार से ज्यादा एयर टिकट कैसिल या रीशेड्यूल कराए गए हैं। डोमेस्टिक एयरलाइंस को देश भर से करीब 15 हजार यात्रियों ने टिकट कैसिल कराने अथवा रीशेड्यूल कराने का अनुरोध किया है। वहीं डीजीसीए ने भी हालात के महंजज विमान कंपनियों को किराया न बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए हैं। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार देश भर से करीब 60 से 70 हजार लोग हर हफ्ते श्रीनगर जाते हैं। मगर, पहलगाम हमले के बाद इस संख्या में कमी आई है। 15 दिन तक वही स्थिति रहने की आशंका है। एयरपोर्ट सुत्रों की मानें तो अधिकतर यात्रियों के अनुरोध फ्लाइट को आगे की डेट में रीशेड्यूल करने के लिए आए हैं।

घाटी में बहे बेगुनाह लहू से गुस्से में देश

- उमेश चतुर्देली

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 का खाल्ता होने के बाद घाटी धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी, कुछ पिछली सदी के नब्बे के दशक से पहले की स्थिति में आने लगी थी। घाटी में परिंदों की चहचहाहट के साथ ही सैलानियों के तराने गुंजने लगे थे।

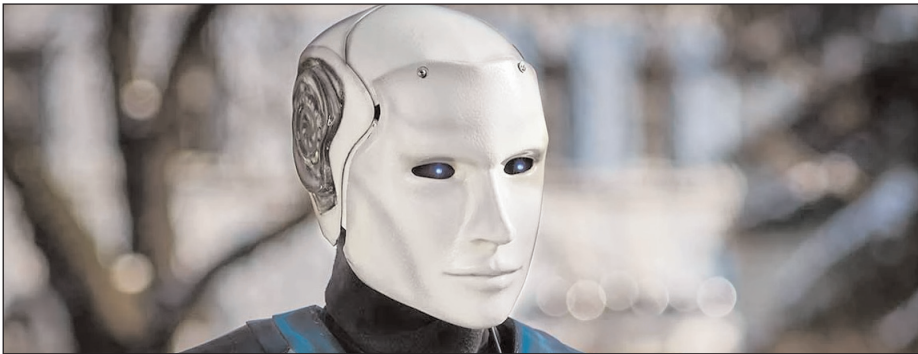
कश्मीर घाटी में पिछले कुछ वर्षों में सिर्फ परिंद ही नहीं चहचहा रहे थे, बल्कि देश-दुनिया से आए सैलानी भी यहां की खूबसूरती में अपना सहयोग दे रहे थे..वे भी परिंद की तरह घाटी के कैनवस को और ज्यादा खूबसूरत बना रहे थे..यह खूबसूरती पाकिस्तान परस्त उन आतंकियों को नहीं देखी गई, जिनके लिए कश्मीर गले की नस की तरह है। अपने गले की इस नस को बचाने के लिए आतंकियों ने बाइस अप्रैल का दिन चुना, और 26 बेगुनाह लोगों का रक्त घाटी की हरियाली चादर पर बिछा दिया..ये प्राकृतिक रंग होता तो धानी कैनवस पर खूबसूरत होता..लेकिन लहू का सुर्ख रंग कभी खूबसूरती का सबब नहीं बनता..वह वीभत्सता का जरिया बनता है..जब किसी बेगुनाह का लहू जब धरती पर गिरता है तो वह शोष और क्रोध का जरिया बन जाता है..बेशक यह लहू सुख जाता है, लेकिन उसकी तासीर मानवता के दिल और दिमाग में कहीं गहरे तक रच जाता है..उसे धरती पर बहाने वाले के लिए वही सैलाब बन जाता है और उस सैलाब में एक दिन उसे बहाने वाले बह जाते हैं।

पहलगाम की धरती पर गिरा खून सुख चुका है..लेकिन वह भारत की असंख्य आंखों में उतर आया है..जब खून किसी की आंखों में उतर आता है तो उसका अंजाम बहुत भयानक होता है..भयानक उसके लिए, जिसकी वजह से वह आंखों में उतर आता है...वत उन आंखों का पानी धीरे-धीरे मरने लगता है और उसकी हर सूखी बूंद से उपजा सैलाब कहर बन कर टूटता है। भारत की असंख्य आंखों की सुख रही बूंदों से वही सैलाब उमड़ने वाला है। बिहार के मधुबनी में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि घाटी में बेगुनाह खून बहाने वालों का



पीछा किया जाएगा, उन्हें खोज निकाला जाएगा और दंडित किया जाएगा...दरअसल उसी सैलाब की निशानी है...

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 का खाल्ता होने के बाद घाटी धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी, कुछ पिछली सदी के नब्बे के दशक से पहले की स्थिति में आने लगी थी। घाटी में परिंदों की चहचहाहट के साथ ही सैलानियों के तराने गुंजने लगे थे। इसके साथ घाटी में खुशहाली लौट रही थी। पत्थर थामने और सेना पर उन्हें उछालने वाले हाथों में कहीं पतवार तो कहीं घोड़े की लगाम तो कहीं सैलानियों को राह दिखाने वाले जज्बात आने लगे थे। कश्मीर की कालीनों को एक बार फिर रंग मिलने लगा था, उन्हें कद्रदानों की बाढ़ आने लगी थी...कश्मीर के केसर की रंगत और सुगंध दूर तक फैलने लगी थी..घाटी के मेवे की पहुंच एक बार फिर दुनिया के बाजारों तक होने लगी थी..लेकिन कंगाली के दरवाजे पर खड़ा पाकिस्तान और उसके सैनिक आकाओं को यह खुशहाली पसंद नहीं आई। इसके बाद उन्होंने दे रिसिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों को आगे किया और पहलगाम में 24 भारतीय और दो विदेशी नागरिकों को मौत के घाट पुराला दिया। भारतीय सेना की वदीं में आए आतंकियों ने पुरुषों से कलमा पढ़ने को कहा। उनके सपं पूछे और हिंदू बताते ही उनके सिरों को गोलियों से उड़ा दिया। इस कुकृत्य का शिकार बना भारतीय नौसेना का एक लैफ्टिनेंट, जिसकी महज छह दिन पहले ही शादी हुई थी...भारतीय वायुसेना का एक जांबाज, कानपुर का महज दो महीने पहले विवाहित एक जवान। एक मासूम



है लेकिन फिर घर के लिए बनाया रोबोट क्या करेगा। इंसान ने खुद को सृष्टि की अनुपम कृति समझना छोड़ दिया है।

वह अपनी बुद्धि, कल्पना, क्षमता, रचनात्मकता से मशीनें बनाकर उनका दास हो रहा है। रोबोट को अपनी तरह चलने, झुकने, उठने, मुड़ने, हाथ से चीजें पकड़ने की ट्रेनिंग दे रहा है। एक

वक्त्र आया। जब वह खुद चलने, झुकने, उठने, मुड़ने में असहाय जो जाएगा तो उसी की खोज, नकली बुद्धि ही उसकी असली मदद करेगी। रोबोट का बहुत प्रयोग वाताता है कि

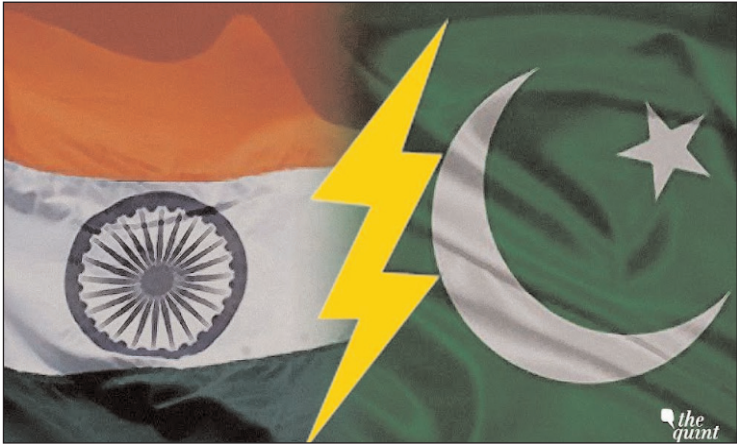
उचित तरीके से काम करने वालों की जनसंख्या कम हो रही है। आपसी मतभेद, मनभेद, नापसंद, अलगाव बढ़ रहा है। हमारे यहां कुछ इंसान दूसरों से बहुत काम

करवाते हैं। मेहनत का पूरा पैसा भी नहीं देते।

काम करने वाले बंदे, रोबोट की तरह बिना रके या थके काम किए जाते हैं। महिलाएं आज भी रोबोट की तरह घर आंगन के काम किए जा रही हैं। उनकी स्वतंत्रता उनके वश में नहीं है। आवश्यक पारम्परिक निदेशों का समावेश, पैदा होने के साथ ही उनके दिमाग में

विचार

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा



सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निदर्शों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है ?

कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की ह्मले की नसह्न बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेगी, उसको कड़वे घुंटे पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसती पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नौद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नौद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निदर्शों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसुरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद

का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्टा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियों की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर ल्यूहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एत दुनिया

के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खोफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौफिर मुनीर, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर संकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा?

लघुकथा

खोया हुआ सपना



रात के गहरे सन्नाटे में नींद ने रजनी को अचानक जगा दिया। उसने आंखें खोलीं, चारों ओर अंधेरा था। जो बिस्तर पर बैठकर सोचने लगी, कहीं मैंने कोई सपना देखा था? सपना अधूरा सा था, पर दिल में हलचल पैदा कर रहा था। सपने में वह एक घने जंगल में थी, अकेली। चारों तरफ ऊंचे-ऊंचे पेड़ और पतियों की सरसराहट सुनाई दे रही थी। अचानक, उसके सामने एक नीले रंग का सुंदर पक्षी आया। उस पक्षी की आंखों में अजीब सा आकर्षण था, जैसे वह उसे कुछ बताया चाहता हो। रजनी उसके पीछे-पीछे चल पड़ी, लेकिन अचानक वह पक्षी उड़कर गायब हो गया। रजनी खुद को अकेले, उस घने जंगल में फंसा हुआ महसूस करने लगी।

उसके उठते ही वह सपना टूट गया। सुबह होते ही, रजनी उस पक्षी के बारे में सोचती रही। क्या वह सपना कोई संदेश दे रहा था? कुछ दिन बाद, रजनी को एक पुराने दोस्त का फोन आया, जिसने उसे एक बड़ी नौकरी का प्रस्ताव दिया। वह नौकरी उसे उसके सपनों की दिशा में ले जा सकती थी। रजनी को अब समझ में आ गया कि शायद वह नीला पक्षी उसके सपनों का प्रतीक था, जो उसे एक नया रास्ता दिखा रहा था।

कहानी

हाथी और कुत्ते



एक बार की बात है, एक छोटे से गांव में एक हाथी रहता था। हाथी बहुत बड़ा और घने जंगल में रहने वाला था। वह किसी से नहीं डरता था और लोगों को अपनी शक्ति का एहसास कराना पसंद करता था। एक दिन, गांव में एक कुत्ता भी था। वह कुत्ता छोटा और काफी होशियार था। वह लोगों के यहां जरूरत थी, जहां हमेशा खुराक के लिए आया करता था। हाथी और कुत्ता एक-दूसरे को पहले नहीं जानते थे, लेकिन एक दिन मिल गए। वे दोस्ती करने लगे और अच्छी तरह से बातचीत करने लगे। हाथी ने कहा, मुझे बहुत खुशी हुई कि मैं तुम्हें मिला। मैं शायद दुनिया का सबसे बड़ा और ताकतवर जानवर हूँ। कुत्ता समझता था कि हाथी थोड़ा बड़ा और धमंडी है, इसलिए उसने कहा, हाथी, मुझे मालूम है कि तुम बहुत बड़े हो, लेकिन फिर भी इंसान तुम्हें धकेलकर मार सकता है। और मुझे तो बहुत छोटा और दुर्बल होने की वजह से सबकुछ बचना होता है। हाथी इस पर हँसते हुए कहा, तुम ठीक कह रहे हो, लेकिन फिर भी मैं कभी बचने के लिए तुम्हारी मदद ले सकता हूँ। मैं तुम्हें अपनी शक्ति और ताकत से बनाया गया हूँ। कुत्ता गम्भीर रूप से बोला, मैं जानता हूँ कि तुम कितने शक्तिशाली हो, लेकिन प्रेम और सहायता देने की क्षमता मेरे पास है। यह सुनकर हाथी सोच में पड़ गया। वह समझ गया कि शक्ति और ताकत के बावजूद, प्रेम और मदद कुछ भी नहीं होते हैं। हाथी ने खुद को आजमाकर देखने का फैसला किया और वह बच्चों के संगीतयन में से एक साझा करने के लिए खुद को मंडराने लगा। यह देखकर कुत्ता बहुत खुश हुआ और उसने कहा, हाथी, तुमने सबके दिल जीत लिए हैं। तुम्हारी हमारे गांव में बहुत जरूरत थी, जहां हमेशा खुशी और प्रेम की कमी महसूस होती थी। हाथी बहुत खुश हो गया क्योंकि उसने समझ लिया था कि हाथी और कुत्ता एक ही गुण रखते हैं - प्रेम और सहायता देने की क्षमता। यह बात हाथी के जीवन में एक महत्वपूर्ण सीख थी कि शक्ति और ताकत से भी बड़कर, प्रेम और सहायता का महत्व होता है।

दम तोड़ रही मैनपुरी जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था

बिना चिकित्सक, बिना पंजीकरण के हॉस्पिटलों का बेखौफ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर में कचहरी रोड सहित अन्य जगहो पर कुकरम्तो की भाति बिना चिकित्सक, बिना पंजीकरण के संचालित अवैध हॉस्पिटल संचालित किए जा रहे है। इन अवैध हॉस्पिटलो में लगातार ही मरीजो और प्रसूताओं की मौत हो रही है।

मरीज की मौत पर परिजन हंगामा तो करते तब स्वास्थ्य विभाग दिखावा करते हुए कार्रवाई की बात करता है समय बीतने के साथ ही अवैध हॉस्पिटल पर कार्रवाई का मामला कूड़े में फेंक दिया जाता है। जनपद मैनपुरी में मैनपुरी शहर सहित कस्बो में सैकड़ो अवैध हॉस्पिटल संचालित हो रहे है।



लेकिन स्वास्थ्य विभाग एक अवैध हॉस्पिटल पर कार्रवाई नहीं करना चाहता है। विशेष सूत्रो से जानकारी मिली है कि अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा छाप्रा मारा जाता है लेकिन कुछ ही देर के बाद चांदी

के सिक्को की खनक सुनने को मिल जाती हैं, उसके बाद अवैध हॉस्पिटल पर कार्रवाई नहीं की जाती है। मैनपुरी शहर में कचहरी रोड, आश्रम रोड, मैन बाजार सहित शहर की प्रमुख स्थानो पर दर्जनों अवैध हॉस्पिटल संचालित

- चांदी के सिक्को की खनक की बजह से अवैध हॉस्पिटलों पर नहीं हो रही कार्रवाई

हो रहे है। बताया जाता है कि अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटल बिना चिकित्सक, बिना पंजीकरण के संचालित किए जा रहे है। मरीज को भर्ती कराने के मौके पर कोई चिकित्सक नहीं होता है। जब तक फोन से चिकित्सक बुलाया जाता है तब तक मरीज की सांसे थम जाती है।

एक हॉस्पिटल का संचालन करने के लिए जो मानक होने चाहिए, वह मानक पूरे नहीं कर पाने की बजह से सैंकड़ो हॉस्पिटल अवैध रूप से संचालित किए जा रहे है।

दर्जनों हॉस्पिटल ऐसे है जिनमें बिना चिकित्सक के ही प्रसरुप कराए जा रहे है, परिणाम स्वरुप प्रसूताओं की लगातार मौत हो रही है। अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटलो पर स्वास्थ्य विभाग कोई कार्रवाई नहीं करना चाहता है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटल पर कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदारी दी गई है। उन्हे केवल चांदी के सिक्को की खनक से ही मतलब है कोई मरता है तो मरने दो, अवैध रूप से चाहे कितने भी हॉस्पिटल संचालित करो उन्हे कोई मतलब नहीं है। बस चांदी के सिक्के मिलना चाहिए। चांदी के सिक्को की बजह से मैनपुरी जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था दम तोड़ रही है।

फांसी के फंदे पर लटका मिला किशोरी का शव

माता-पिता के बीच होने वाले झगड़े से थी परेशान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुसमरा। चौकी क्षेत्र के गांव जयसिंहपुर में माता-पिता के बीच होने वाले झगड़े से परेशान होकर 15 वर्षीय किशोरी ने फंदा लगाकर जान दे दी। शव शुक्रवार की रात कटहल के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जांच के लिए साक्ष्य एकत्रित किए।

चौकी क्षेत्र के गांव जयसिंहपुर के रहने वाले उदयवीर सिंह की 15 वर्षीय पुत्री रागिनी का शव शुक्रवार की रात को गांव के बाहर लगे कटहल के पेड़ पर दुपुंड़े के फंदे से लटका मिला। वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने इसकी जानकारी परिजन को दी। जानकारी मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में वहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलने के बाद प्रभारी

शयब पीकर पिता ने मां को पीटा था

किशानी थाना प्रभारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि मृतका के माता-पिता के बीच अक्सर झगडा होता रहता है। घटना से कुछ देर पहले भी किशोरी के पिता शराब पीकर आए थे और पत्नी को पीटा था। आए दिन होने वाले तलेश से आहत होकर किशोरी घर से बाहर चली गई। कटहल के पेड़ पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। शव का पोस्टमार्टम कराया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह स्पष्ट होगी।

निरीक्षक ललित भाटी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाया। फोरेंसिक टीम ने नमूने एकत्र किए।

डॉक्टर के पुत्र द्वारा इंजेक्शन लगाने से मरीज की मौत

पुत्र पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप, परिजनों को धमकाया



मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। धिरोर कस्बा में संचालित एक निजी हॉस्पिटल में डॉक्टर के पुत्र ने एक मरीज को इंजेक्शन लगाया तो उसकी हालत बिगड़ गई, हालत बिगड़ते ही मरीज को रेफर कर दिया गया, परिजनों ने विरोध किया तो मरीज के परिजनों को धमकाया गया, परिजनों ने मरीज को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। घटना की तहरीर थाने में दी गई है।

धिरोर थाना क्षेत्र के गांव नगला मानसिंह निवासी सुनील पुत्र रामप्रकाश ने थाने में दी तहरीर में बताया कि 25 अप्रैल की रात्रि 12 बजे उसके भाई उजवीर सिंह की तबियत

स्वास्थ्य विभाग ने आखिर क्यों नहीं की कोई कार्रवाई

एक हॉस्पिटल में गलत इंजेक्शन लगाने से मरीज की मौत हो गई, परिजनों द्वारा इस मामले में काफी हंगामा काटा गया, स्वास्थ्य विभाग को भी सूचना भेजी गई, लेकिन मरीज की मौत पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभी तक हॉस्पिटल के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया, मरीज की मौत पर स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही साफ दिखाई दे रही है।

क्या बोले डिप्टी सीएम/स्वास्थ्य मंत्री

मैनपुरी के धिरोर में डॉक्टर के पुत्र द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने से मरीज की मौत का मामला संज्ञान में नहीं है। इस पूरे मामले की जानकारी करके जांच कराई जाएगी, जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- बृजेश पाटक, डिप्टी सीएम/स्वास्थ्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन।



खराब हो गई, उन्हे रात में ही धिरोर के श्रीराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां पर डॉक्टर शिशुपाल के कहने पर उनके पुत्र गुलसन ने उनके भाई उजवीर को गलत इंजेक्शन लगा दिया, इंजेक्शन लगाते ही उजवीर की हालत बिगड़ गई, जिसके बाद श्रीराम हॉस्पिटल में डॉक्टर के हाथ पैर फूल

भोगांव के विकास के लिए मुख्यमंत्री से की मुलाकात

विकास और बजट की मांग पर मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन



मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। नगर के विकास को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष नेहा तिवारी और उनके प्रतिनिधि आशीष आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। नगर पंचायत अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को नगर के विकास और बजट आवंटन कराने की मांग की। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावों पर बजट दिलाने का भरोसा दिलाया है।

शुक्रवार की देर सांय चैयरमैन नेहा तिवारी एवं प्रतिनिधि आशीष तिवारी ने नगर पंचायत क्षेत्र में नए सीसी मार्ग, नाले नालियां और प्रकाश व्यवस्था के लिए भी 5 करोड रुपये की योजनाओं के

प्रस्ताव दिए हैं। मुख्यमंत्री वैश्विक नगरीय योजना के तहत नगर पंचायत क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के लिए बजट मांगा गया है। मुख्यमंत्री ने इन दोनों ही प्रस्तावों पर सहमति जताई है और आवश्यक बजट का इंतजाम कराने का भरोसा दिया है। इस सम्बन्ध मे चैयरमैन प्रतिनिधि आशीष तिवारी ने बताया कि नगर के विकास को लेकर अध्यक्ष नेहा तिवारी पूरी तरह प्रतिबद्ध है नगर के लोगो को और बेहतर सुविधायें दिलाने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने उनकी मांगो को पूरा करने का आश्वासन दिया है।

हाबुड़ा गैंग ने की थी पीडब्ल्यूडी ठेकेदार से लूट की वारदात

- एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार, लूटे गए दो लाख रुपए बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कोतवाली सदर क्षेत्र की हिंदपुरम कालोनी में 21 अप्रैल को दिनदहाड़े पीडब्ल्यूडी ठेकेदार से 5 लाख रुपये की लूट की वारदात को अलीगढ़ क्षेत्र में सक्रिय भातू हाबुड़ा गैंग ने अंजाम दिया था। अलीगढ़ के अकराबाद के रहने वाले सरगना को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से दो लाख रुपये बरामद हुए हैं। वहीं, उसके दो हिस्ट्रीशीटर साथियों की टीम तलाश कर रही है। एस्प्री गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि सरगना पर 41 से अधिक अपराधिक मामले दर्ज हैं।

प्रेसवार्ता में एस्प्री ने बताया कि 21 अप्रैल को हिंदपुरम कालोनी के रहने वाले पीडब्ल्यूडी ठेकेदार संजीव कुमार भांवत चौराहा स्थित केनरा बैंक से कैश लेकर निकले थे। हिंदपुरम कालोनी के पास आने पर बाइक सवार बदमाश झपट्टा मारकर उनके 5 लाख रुपये कैश रखा हुआ बैग लूट कर ले गए थे। लूट की इस घटना के खुलासे के लिए एस्प्री सिटी अरुण कुमार सिंह, सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह और एंटी व्हीकल थैप्ट टीम प्रभारी कुलदीप व्हीकल अन्वेषण में लगे थे। एस्प्री ने बताया कि बैंक से



शांतिर अपराधी पर संगीन धाराओं में 41 मुकदमा

वारदात में प्रयुक्त बाइक भी मिली है। आरोपी ने पीडब्ल्यूडी ठेकेदार से लूट की घटना अपने दो साथियों के साथ मिलकर करना कबुला है। रामबाबू पर अलीगढ़, हाथरस, कानपुर, एटा, कानपुर जिलों के आदि थानों में करीब 41 से अधिक अपराधिक मामले दर्ज हैं। लूटकांड में शामिल रहे सागर निवासी अकराबाद और दीपेंद्र उर्फ चिंकी उर्फ रोहित भातू निवासी कल्याणपुर कानपुर हाल निवासी मेरठ की तलाश जारी है।

बैंकों में अंदर-बाहर करते हैं रेकी

एस्प्री सिटी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि रामबाबू व उसके गैंग के सदस्य अलग अलग जनपदों में सक्रिय रहे हैं। यह लोग बैंकों के अंदर व बाहर रह कर रेकी करते हैं। ऐसे लोगों पर नजर रखते हैं जो अकेले बड़ा कैश निकालते हैं। बैंक से निकलने के बाद यह लोग बाइकों से उनका पीछा करते हैं और सुनसान जगह मिलते ही लूट/चोरी की वारदात अंजाम देते हैं। इस गैंग के सदस्य लुटपाट, बाइक व अन्य वाहन चोरी, कार आदि के शीशे तोड़ कर कैश चोरी की वारदातों को भी अंजाम देते हैं।

लूट वाले स्थान तक लगे सभी सीसीटीवी खंगाले गए। जानकारी मिली कि लूट अलीगढ़ व आसपास के क्षेत्र में सक्रिय भातू व हाबुड़ा गैंग ने की है। शनिवार को एवीकोटी टीम प्रभारी ने लूटकांड के सरगना रामबाबू

निवासी अकराबाद, अलीगढ़ को देवी रोड बाईपास से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से लूट गए पांच लाख कैश में से दो लाख रुपये बरामद हुए हैं। सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि एक वारदात को गैंग के कई

लूट, डकैती, पुलिस मुठभेड़ के गंभीर मामले

पीडब्ल्यूडी ठेकेदार से लूट के मामले में गिरफ्तार रामबाबू व उसके दो साथी अंतर्जनपदीय अपराधी हैं। लूट, डकैती, पुलिस मुठभेड़, चोरी आदि के गंभीर मामले दर्ज हैं। रामबाबू व सागर हिस्ट्रीशीटर अपराधी हैं और कई बार जेल भी जा चुके हैं। रामबाबू पर जहां 41 से अधिक मामले हैं वहीं, सागर पर 14 और दीपेंद्र पर 18 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। गाजियाबाद, प्रयागराज, लखीमपुर खीरी, अलीगढ़, कानपुर, बरेली, मथुरा, मेरठ, हाथरस सहित अन्य जनपदों में अपराधिक घटनाएं अंजाम दे चुके हैं।

सदस्य मिलकर अंजाम देते हैं। रेकी करने, लूट/चोरी करने की जिम्मेदारी अलग-अलग बदमाशों के पास होती है। इस गैंग के सदस्य आसपस में लगातार बातचीत करते रहते हैं। वारदात करने के बाद लोगों को भ्रमित करने के लिए अपने वाहनों से अलग-अलग दिशाओं में भागते हैं। ताकि उनको पकड़ा न जा सके। वर्ष 2021 में कोतवाली क्षेत्र में चोरी की एक घटना इसी गैंग ने अंजाम दी थी।

गेहूँ काटने के विवाद में गाली गलौज, मारपीट, मुकदमा दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता किशनी/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव चौदा निवासी सर्वेश कुमार पत्र रामस्वरूप ने थाने में शिकायत कर बताया है कि शुक्रवार को समय शाम करीब 7 बजे उनके खेत के गेहूँ श्रेसर से गांव के ही महेश सिंह पुत्र मोहब्बत सिंह, अंकित व उदरराज पुत्रगण महेश सिंह व राम प्रकाश पुत्र मोहब्बत सिंह काट रहे थे उनके रोकने पर उन्हें व उनकी माता ली पुनन देवी व भाई शीतलेश पुत्र राममित्रान सिंह को गंदी गालियां देकर लात घुसे लाठी डंडों से मारपीट की जिससे उनके चेहरे आंख व कई जगह चोट आई है और उनकी मां के पैरो में व भाई के कमर गर्दन में चोट आई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

गाली देने का आरोप लगाकर दोनों पक्षों में मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता किशनी/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर मुर्गिया निवासी सुखबीर पुत्र गजराज सिंह यादव ने पुलिस को बताया है कि शनिवार को सुबह करीब 7.30 बजे गाली देने की बात को लेकर सीसी बात पर दीवान और पहलवान पुत्र ना मालूम निवासी ग्राम गंगापुर थाना जिला इटावा व नीतीश पुत्र शंभू दयाल यादव ने उनके दरवाजे पर आकर गालियां देते हुए लाठी डंडों से मारा पीटा है जिससे उनके हाथ पैर व सिर में चोट आई है। शोरगुल होने पर गांव के मौजूद लोगों ने आकर उन्हे बताया है। दूसरे पक्ष से नीतीश पुत्र रघु शंभू दयाल यादव ने बताया है कि शनिवार को सुबह करीब 7.30 बजे शदी संबंध की वार्ता को लेकर उनके गांव के सुखबीर पुत्र गजराज सिंह यादव गालियां देने लगे उनके रिश्तेदार दीवान सिंह पुत्र रामचंद्र यादव ग्राम गंगापुर थाना बाबिया जिला इटावा ने गाली देने से रोकता तो उपरोक्त निमजद ने मारा पीटा है पैर व चेहरे पर कई चोटें आ गई है जब उन्होंने बताया तो उनके साथ भी मारपीट की है गांव के मौजूद लोगों ने आकर झगड़े को शांत कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एटीएम के सामने प्राइवेट वाहनों का स्टैंड हो रहा संचालित

मोर्निंग सिटी संवाददाता किशनी/मैनपुरी। नगर के मोहल्ला गढ़ी निवासी अम्बीश सिंह चौहान पुत्र आदित्य सिंह चौहान ने थाने में शिकायत कर बताया है कि रडवेज बस अड्डा के निकट बैंक रैज लिमिटेड कंपनी का एक एटीएम संचालित है जिसके सामने टेंपो मैजिक टैक्सी का स्टैंड संचालित हो रहा है महिला ग्राहकों एवं पुरुष बच्चे आदि को एटीएम में आने जाने में परेशानी होती है। उसी जगह पर ड्राइवर आदि भेदी भेदी गालियां देकर वातालाप करते रहते हैं जब वह मना करते हैं तो झगडा करने पर आसद हो जाते हैं। पीड़ित ने बताया पूर्व में उनके एटीएम को गैस बल्टर से काटकर ले जाने का अथक प्रयास हो चुका है। विगत चार माह से एक गैंग ग्राहकों के कार्ड बदलकर पैसे निकल रहा है उनके बगल का किराएदार फल विक्रेता नाले पर दुकान लगाकर अतिक्रमण किए हुए हैं जब वह मना करते हैं तो झगडे पर उतारू हो जाता है। उन्होंने बताया है कि ग्राहकों को एटीएम में पहुंचने में असुविधा हो रही है। पीड़ित ने पुलिस से उक्त प्रकरण की जांच कर समस्या का निराकरण करने की मांग की है।

कुरावली में कई अवैध हॉस्पिटल संचालित हो रहे

कुरावली में धिरोर रोड नहर पुल से पीछे और पुल के पास, जीटी रोड के किनारे, नेशनल हाइवे किनारे सहित अन्य जगहो पर एक दर्जन के करीब बिना चिकित्सक, बिना पंजीकरण के अवैध रूप से हॉस्पिटल संचालित किए जा रहे हैं। अवैध हॉस्पिटलो में लगातार ही प्रसूताओं की मौत हो चुकी है। अवैध हॉस्पिटलो में कोई भी चिकित्सक नहीं है, पंजीकरण के मानक पूरे न कर पाने की बजह से हॉस्पिटल संचालक पंजीकरण नहीं करा पाते है। कुरावली में कुछ ऐसे भी हॉस्पिटल है जिन्हें संचालक ने स्वास्थ्य विभाग से किसी भी चिकित्सक सहित अन्य के कामजात लगाकर पंजीकरण तो ले लिया, लेकिन वहां पर पंजीकरण में कामजात लगाने वाले चिकित्सक कभी मिलते ही नहीं है। केवल नाम हो जाता है कि हॉस्पिटल का पंजीकरण हो गया है। लेकिन इलाज के नाम पर यहां पर मरीजो को केवल लूटा जा रहा है।

पिछले दो सालों से स्वास्थ्य व्यवस्था हो गई चौपट

अगर मैनपुरी जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था पर निगाह डाली जाए तो पहले तो स्वास्थ्य व्यवस्था को ठीक करने के लिए अवैध हॉस्पिटलों पर कार्रवाई होती रहती थी, लेकिन पिछले दो सालो से मैनपुरी जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था में परिवर्तन आ गया है दो सालो से मैनपुरी की स्वास्थ्य व्यवस्था बिल्कुल चौपट हो गई है। स्वास्थ्य व्यवस्था का चौपट होना भी सोभाविक है क्यों कि अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटलो पर कार्रवाई पर पूरी तरह से विराम लग गया है। इसीलिए स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो गई है।

क्या बोले डिप्टी सीएम/स्वास्थ्य मंत्री

मैनपुरी में बिना चिकित्सक, बिना पंजीकरण के संचालित अवैध हॉस्पिटलो की जानकारी नहीं है। मैनपुरी स्वास्थ्य विभाग को अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटलों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए जायेंगे। अवैध हॉस्पिटल किसी भी सूरत में संचालित नहीं होने दिए जायेंगे। सरकार द्वारा मरीजो को बेहतर इलाज की सुविधा मुहैया कराने के लगातार ही प्रयास किए जा रहे हैं।

बृजेश पाटक, डिप्टी सीएम/स्वास्थ्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन।



छोटी खबरें

मेधावी छात्र सुमित को किया गया सम्मानित



मोर्निंग सिटी संवाददाता, किशनी/मैनपुरी। हाईस्कूल परीक्षा में नगर में संचालित चौधरी देवी दयाल इंटर कालेज के छात्र सुमित जाटव ने मैनपुरी में दूसरा स्थान पाया था, उसकी इस सफलता पर उसे जहां विद्यालय स्टाफ और किशनी के जनप्रतिधियों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है वहीं शनिवार को सुमित के पुराने स्कूल में भी सम्मानित किया गया, नगर में संचालित साई इंटरनेशनल स्कूल के मैनेजर रामसेवक पाल ने बताया कि सुमित उनके विद्यालय में क्लास 8 तक पढ़ा था जहां भी उसने प्रत्येक क्लास में प्रथम स्थान पाया था परंतु आगे उनके पास क्लास न होने से वह देवीदयाल इंटर कालेज चला गया, सुमित को इस सफलता पर शनिवार को पुराने विद्यालय परिवार ने सुमित को सम्मानित पिता के साथ किया, इस मौके पर प्रधनाचार्य रजनी पाल, सुनील, विकास, रितुल, ब्रजेश, प्रवेश, रेनु, स्वता, दिव्या, ऋषि आदि मौजूद थे।

टाइल की धुंध के विवाद में दबंगों ने पड़ोसियों को पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता, कुरावली/मैनपुरी। टाइल लगाने पर हो रही धुंध के विवाद को लेकर दबंगो ने पड़ोसी की मारपीट कर दी। घटना की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई गई। नगर में जीटी रोड पर निवास कर रहे प्रमोद कुमार पुत्र राय सिंह राठीर ने थाना में मुकदमा पंजीकृत कराते हुए बताया कि बीते शुक्रवार को वह अपनी बेटी के शादी के कार्ड बॉट रहा था। मकान में टाइल लगाने की काम चल रहा था, जिससे धूल उड़ रही थी जिससे पड़ोस में रहने वाले सतेन्द्र राठीर पुत्र रामसेवक राठीर ने आपत्ति जताई। प्रमोद ने तो काम को थोड़ी देर मे खत्म होने की बात की तो सतेन्द्र ने काम तुरन्त बन्द करने को कहा और अपने पुत्रों आकाश, विकास तथा सुभाष उर्फ बांस पुत्र राजेश, सनी पुत्र धर्मेन्द्र ने लाठी डण्डो से मार पीट कर दी, जिससे प्रमोद व उसकी मौ और पिता व पुत्र को गम्भीर चोटें आ गईं। पड़ोसी बवाने गये तो आरोपी गाली गलौज करते हुये आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस मामले की खानबीन कर रही है।

देशी शराब के क्वार्टरों सहित दो गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता, कुरावली/मैनपुरी। शुक्रवार को थाना पुलिस ने मुखबिर् की सूचना पर ग्राम जुहेसा से ग्राम गगला इमलिया जाने वाले रास्ते पर से मोहित उर्फ तिलक पुत्र काशीराम निवासी ग्राम जुहेसा को 18 व्हाट्टर देसी शराब सहित गिरफ्तार करते हुए कार्रवाई की। तथा कोतवाली के उप निरीक्षक शाहब सिंह ने मुखबिर् की सूचना पर गौरी शंकर पुत्र कृपाल सिंह नि0 ग्राम खिरिया पीपल को 22 अदब पड़े देशी शराब ११११ मस्ती मसाला के साथ गिरफ्तार करके हुए कार्रवाई की।

कच्ची शराब सहित दो आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता, कुरावली/मैनपुरी। कोतवाली के उप निरीक्षक रहीराम सिंह ने श्रीकृष्ण पुत्र लाल बहादुर कश्यप निवासी वैदन्टोला को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। उपनिरीक्षक हरेंद्र सिंह ने दीपक उर्फ दीप सिंह पुत्र महेश चन्द निवासी ग्राम गोकुलपुर को 40 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

पहलगाम हमले के विरोध में ऐतिहासिक बंद रही किशनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता, किशनी/मैनपुरी। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा हमला किये जाने पर व्यापारियों ने तीव्र आक्रोश जाहिर किया है। उन्होंने बाजार बंद करने के बाद बैठक कर हमले में शामिल आतंकवादियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। पहलगाम में पर्यटकों पर हमले के विरोध में व्यापार मंडल ने शनिवार को बाजार बंद रखने का आह्वान किया था। शनिवार को नगर के सभी व्यापारियों ने सर्वेक्षा से अपनी दुकानें बंद रखीं। दुकानें बंद रहने से ग्राहक आवश्यक सामान खरीदने के लिये परेशान दिखे। व्यापारियों ने व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विनोद गुप्ता के नेतृत्व में सड़कनीय सभी परिसर में एक बैठक की। जिसमें प्रदेश संगठन मंत्री सुधीर गुप्ता ने कहाकि पाकिस्तान से सरभित आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों पर वीभत्स हमला कर काररता का परिचय दिया है। भारत सरकार इस हमले के आरोपियों को किसी सूत्र में बख्शेगी नहीं। जिसके लिये सरकार ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पाकिस्तान से कई बार युद्ध होने के बावजूद सिंधु जल समझौता बरकरार रहा लेकिन इस बार भारत ने इसे तोड़ दिया है। भारत ने पाकिस्तान में गए भारतीयों को वापस बुलाया है जिससे भारत की तरफ से कड़ी कार्रवाई की संभावना लग रही है। हमले से देश के हर वर्ग में आक्रोश है, दो विधायकों ने बेहूदा टिप्पणी की जिसमें से एक गिरफ्तार कर लिया गया है। देश हित में सभी व्यापारी एक हैं और सरकार का हर तरह का सहयोग करने के लिये तैयार हैं। पहलगाम हमले में मारे गए पर्यटकों के लिये दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर घासीराम शाव्य, समासद राहुल गुप्ता, रामबरन पांडे, विनय गुप्ता, सतीश सक्ता, प्रमोद शाव्य, महेश शंखवार, रमाकान्त गुप्ता, विवेक चौहान, बसंत दुबे, विपिन गुप्ता, विक्कू गुप्ता, संदीप चौहान, अशोक सक्सेना, जावेद खान, मोहम्मद सतार, मुनेश सक्ता सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

पूर्ण रूप से बन्द रहे बाजार, लोगों ने हमले की निंदा की

मेरा सांवरिया आएगा, हो मेरा सांवरिया आएगा...

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/अमापुर। कस्बा के गुडमंडी स्थित भामाशाह चौक पर हार का सहारा बाबा खाटू श्याम हमारा का भव्य भजन सध्या का आयोजन किया गया। भजन सध्या में रातभर खाटू श्याम का गुणगान किया गया। खाटू नरेश की जय, हारे के सहारे की जय के बीच देर रात तक

अमापुर में खाटू श्याम की भक्ति में झूम भक्त

श्याम बाबा का सुगंधित फूलों से दरबार सजाया गया।

दरबार में दीप प्रचलित कर भजन सध्या का शुभारंभ किया गया। श्याम प्रेमियों ने बाबा की छवि एवं पावन ज्योति के दर्शन किए। कलाकार अरुण पचौरी ने हनुमान जी की आराधना और हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा भजन प्रस्तुत करके किया। कानपुर से आई भजन गािका आलिया बेट्ट शर्मा सिस्टर्स ने मेरा सांवरिया आएगा, हो मेरा सांवरिया आएगा, मेरा आप की कृपा से सब काम हो रहा, करते हो



तुम श्याम प्यारे मेरा नाम हो रहा है। ओ साँवरे मुझे तेरी जरूरत है। दरबार सांवरिया ऐसे सजो प्यारी दयालु आपका, आ गया मैं दुनियादारी सारी छोड़ के लेने आ जा खाटू वाले रिंगस के मोड़ पे, जो राम को लाए है, हम उनको लाएंगे दुनिया में फिर से हम भगवा लहराएंगे गीत पर श्रद्धालु खूब थिरके और पुष्पों की वर्षा की। इसके बाद अन्य कलाकारों ने देर रात तक खाटू श्याम के भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु झूमते थिरकते रहे। आयोजक समिति के द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर

समाज सेविका सुलोचना गुप्ता, दीपक गुप्ता चैयमेन, केशवदेव गुप्ता, पूरे गुप्ता, रमन गुप्ता, राजू गुप्ता, मनोज गुप्ता, सुरेश गुप्ता, मीना चौहान, शीलन्द सोलंकी, आकाश गुप्ता सर्राफ, सोनू गुप्ता, गौरव गुप्ता, शिवम गुप्ता, हर्ष गुप्ता, आर्यन गुप्ता, भोला गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, अमन गुप्ता, रिषभ गुप्ता, शिवम गुप्ता, सुभाष गुप्ता, आशीष गुप्ता, निहाल गुप्ता, शिवम गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, नवीन गुप्ता, प्रवीन गुप्ता, अंकित गुप्ता, वैभव गुप्ता,पवन गुप्ता, आदित्य गुप्ता आदि भक्तगण मौजूद रहे।

छोटी खबरें

वयू आर कोड़ से मिलेगी पौधों की जानकारी

हाथरस। सासनी तहसील में पीएम श्री कंपोजिट स्कूल बिजलीघर के छात्र छात्राओं आगे लाखों रुपए खर्च कर शिक्षा प्राप्त करने वाले भी पीछे नजर आ रहे हैं। आईसीटी शिक्षक द्वारा छात्रों को वयूआर कोड बनाने की तकनीकी भी समझायी जिससे स्वयं छात्र छात्रा वयूआर कोड बना सकते हैं छात्र मोबाइल व टैबलेट के माध्यम से स्कैन करके और पेड़ पौधों की जानकारी ले सकते हैं। इस आईसीटी पुरस्कार प्राप्त शिक्षक इंजीी. रणजीत सिंह की पहल पर विद्यालय के प्रांगण में गेरो पेड़ पौधे का डाटा कलेक्ट कर उन पेड़ पौधों के वयू आर कोड स्वयं जनरेट कर छात्रों को पेड़ पौधों की जानकारी वयूआर कोड के माध्यम से प्राप्त कराई जा रही है। इस नई तकनीक के माध्यम से छात्रों और अन्य शिक्षकों को आईसीटी से संबंधित बहुत जानकारी मिल रही है। वहीं प्रधानाध्यापक राजकुमारी उमाध्याय ने आईसीटी प्रभारी इंजीी.रणजीत सिंह द्वारा किए गए वयूआर कोड के निर्माण कार्य की सराहना करते हुए कहा गया कि उनके द्वारा पिछले दिनों में आईसीटी से संबंधित विषयगत वीडियो वयूआर कोड जनरेट किए गए थे जिससे छात्र-छात्राओं को शिक्षण कार्य से संबंधित सामग्री स्कैन करके प्राप्त हो रही है।

जेपीएस कॉलेज की दिव्यांशी यादव रहीं हाईस्कूल में अवल

सिकंदराराऊ। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025 में डामनलाल पवन स्मृति इण्टर कॉलेज के छात्र , छात्राओं ने तहसील स्तर पर परचम लहराया। बोर्ड परीक्षा में दिव्यांशी यादव ने 545 अंक (90.83%) के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, शीलल यादव ने 534 अंक (89%) के साथ दूसरा स्थान, निशांत कुमार सिंह ने 514 अंक (85.66%) के साथ तीसरा स्थान, वहीं सचिन ने 512 अंक व अर्पित वसुदेवी ने 510 अंक के साथ दोनों ने देशा स्थान प्राप्त किया है। इस मौके पर कॉलेज के प्रबंधक निखिल स्वामी पवन तथा प्रधानचार्य जी संजीव कुमार गौतम ने बच्चों को मिठाई खिलाकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया और भविष्य में ऐसे ही आगे बढ़ते रहे, ऐसा आशीर्वाद दिया। इस मौके पर ज्योति सिंह, पंकज कुमार, मोहित कुमार, देवेश दुबे, विशाल गौतम, नितिन वाघोय, संगीता गौतम आदि उपस्थित रहे।

पैसे दे दो पिताजी नहीं तो जान से मार देंगे

हाथरस। सोशल मीडिया ने संस्कारों को पूरी तरह खत्म कर दिया, आज पैसें के आगे रिस्ते का मजक बनना एक आम बात हो गयी है, इसकी का प्रमाण हाथरस की सासनी कोतवाली में देखने को मिला। कोतवाली में शिकायत देते हुए पिता ने अपने दस्तक पुत्र पर पैसा न देने पर जान से मारनी की धमकी देने का आरोप लगाया है। दत्तक पुत्र द्वारा पिता से पांच लाख की मांग की गई। रुपए न देने पर दत्तक पुत्र ने पिता से अभद्रता की साथ ही जान से मारने की धमकी दी। अपने दत्तक पुत्र से पीड़ित पिता ने कोतवाली में तहरीर देते हुए पुत्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को कोतवाली में एक तहरीर देते हुए कस्बा निवासी पीडित पिता ने कहा है कि उसके तेईस वर्षीय दत्तक पुत्र को मोबाइल गेम एवं नशा आदि का शौक लग गया है। जिससे वह उसकी बात नहीं मानता है। प्रतिदिन अभद्र व्यवहार करते हुए अपनी हठधर्मिता पर अमादा है। दो दिन पूर्व दत्तक पुत्र ने पांच लाख रुपए मांगे तो पीडित पिता के असहमति प्रकट करने पर अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। और घर से निकल गया। पीडित ने तहरीर में कहा है कि दत्तक पुत्र काफी समय से परेशान करता चला आ रहा है। पीडित पिता ने कोतवाली में पुलिस से शिकायत कर दत्तक पुत्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

घर घर जल पहुंचाने के लिए रखे पाइप के टेर में लगी आग

हाथरस। सासनी कोतवाली क्षेत्र के गांव जमीरपुर में सचिवालय के पास रखे पाइप के टेर में भयंकर आग लग गयी। आग इतनी तेज थी कि पूरे गांव में धुआं फैल गया। इससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। गांव के लोग सचिवालय के ओर भोगे और तुरंत पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पर काफी समय गुजरने पर पुलिस व फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचने से पहले पाइपों को टेर जल कर राख हो गया। जमीरपुर गांव के सचिवालय के पास खाली प्लांट में रखे लाखों रुपए के पाइप जलकर राख हो गए। ये पाइप प्रधान मन्त्री की हर घर जल योजना के तहत हरघर तक पानी पहुंचाने के लिए सड़कों के मेरे बिछाने के लिए लाए गए थे। वहीं मौके पर मौजूद ग्राम प्रधान ने बताया कि खाली पड़े प्लांट में ग्रामीण अपने घर का कचरा डाला जाते है, हो सकता है किसी ने अपने चूल्हे आदि का जला हुआ कचरा यहां फेंका हो जिससे कचरे में आग लग गयी और उसके पास रखे पाइप ने उस आग को पकड़ लिया।

ऑपरेशन जागृति के तहत पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं को सुरक्षा संबधित जागरूक किया



हाथरस। ऑपरेशन जागृति के तहत आगरा रोड स्थित स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा स्कूल ने छात्राओं को सुरक्षा संबधित जानकारी देते हुए जागरूक किया ‘ एम0एल0डी0वी0 पब्लिक इण्टर कॉलेज में मिशन जागृति कार्यक्रम में संस्था के डायरेक्टर स्वतंत्र कुमार गुप्त, प्रशासनिक प्रमुख हर्षित गुप्ता (एड0), प्रधानाचार्या पूनम वाघोय, उप-प्रधानाचार्या शाजिया एवं समस्त स्टाफ का सहयोग रहा। कार्यक्रम में छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। स्कूल प्रशासन द्वारा पुलिस अधीक्षक का स्वागत भी किया गया।

जनपद न्यायाधीश ने बैठक कर न्याय अधिकारियों को दिये निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद न्यायालय में दस मई को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक लोगों को न्याय देने के लिए न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के सम्बन्ध में समस्त न्यायिक अधिकारीगण के साथ बैठक आयोजित की गयी।

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद एवं उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार जनपद न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में एक बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, जनपद न्यायालय, हाथरस में दस मई को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के सम्बन्ध में अपर जनपद न्यायाधीश, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, महेन्द्र श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अपर जनपद न्यायाधीश, सचिव, प्रशान्त कुमार एवं समस्त न्यायिक अधिकारीगण के साथ सम्पन्न हुई। जनपद न्यायाधीश द्वारा समस्त

न्यायालयों के पीठसीन अधिकारी से राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु चिन्हित किये वादों एवं उनमें जारी सम्पन्न, नोटिस के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा ऐसे सभी मामले जिनका निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर किया जा सकता है में पक्षकारों को नोटिस जारी करने तथा अब तक जारी किये गये नोटिसों की तामीला की स्थिति के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तथा सभी न्यायिक अधिकारीगण को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश दिये गये।

इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे वाद जो काफी पुराने हैं, उन्हें सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किये जाने हेतु पक्षकारों को प्रेरित करें, जिनको सुलह-समझौते के आधार पर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किया जा सकता है को चिन्हाकित करते हुये उनके निस्तारण के सम्बन्ध में भरसक प्रयास किये जायें, जिससे इस राष्ट्रीय आयोजन को सफल बनाया जा सके।

अमांपुर में कैडल मार्च निकलकर दी श्रद्धांजलि

पहलगाम में आतंकी घटना पर जताया रोष, सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग की

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/अमांपुर। पहलगाम के आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार की देर शाम एसोसियेशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स अमांपुर के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कैडल मार्च निकाला और मृतकों की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। पदाधिकारियों ने भारत सरकार से आतंकवादियों और उनके आका पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाने की मांग की।

एसोसियेशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स ने कैडल मार्च पुराना सहावर रोड स्थित गुडमंडी से शुरू किया। बारहद्वारी होते हुए लोग विरोध करते हुए घंटाघर पर पहुंचकर मोमबत्तियां लगाकर तथा दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मनोज गुप्ता, रामनारायन मित्तल, कमल गुप्ता, डॉ राजकुमार सविता, प्रमोद गुप्ता,



डॉ राघवेंद्र सिंह, आकाश गुप्ता सर्राफ, राहुल जौहरी, योगेश राजपूत, अनुज सोलंकी, सोनू गुप्ता, पुषेंद्र कुमार, रिषभ गुप्ता, सुखवीर चौहान, पीयूष गोयल, अंशु गुप्ता, संजीव माहेश्वरी, परन्तप सोलंकी, गौरव गुप्ता, अवनीश माहेश्वरी, डॉ शशिवांशु अग्रवाल, प्रधान भीष्मपाल सिंह, विशाल

मित्तल, बन्टू गोयल, सूर्यम, शैलेश गुप्ता, मोनू दीक्षित, नरेश गुप्ता, सुमित गुप्ता, प्रिन्स गोयल, पंकज अग्रवाल, निहाल गुप्ता, सोनू गुप्ता, देव गुप्ता, अशुतोष सविता, नारायण साहू, प्रवीन गोस्वामी, श्रीकृष्ण गौतम, विराट गोयल, दीपक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

आतंकी हमले में शिकार हुए पर्यटकों को पालिकाध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में अपनी जान गवाने वाले पर्यटकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत का दिल है कश्मीर।

जहां बाबा अमरनाथ, मां बैष्णो देवी आदि धार्मिक मन्दिर है, कश्मीर में पर्यटक स्थल पहलगाम जिसमें आतंकी हमला हुआ है, आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर गोलियां चला कर उनकी निर्मम हत्या की गई ये निंदनीय है, इस घटना में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है उनके प्रति में संवेदना प्रकट करती हूं, जो लोग घायल हुए हैं उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूं। आज



हमारा भारत पुराना भारत नहीं नया भारत है जिसकी कमान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में है, इस दुस्साहस को सहा नहीं जायेगा, हमारे प्रधानमंत्री बहुत जल्द ईंट का जवाब पत्थर से देंगे।

डॉ आंबेडकर शोभायात्रा में उमड़ा जन सैलाब पटियाली की सड़कें हुई नीली,जमकर झूमे अनुयाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/पटियाली। शनिवार को डॉ० आंबेडकर जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा समिति के अध्यक्ष रतन प्रकाश की अध्यक्षता में सचिधान शिल्पी,ग्रामीण अंचलों में बाबा साहेब के नाम से विख्यात,सचिधान निमार्ता,दलितों पिछड़ों शोषितों के मसीहा,महान विधि विशेषज्ञ आधुनिक भारत के निमाता डॉ भीमराव आंबेडकर जी की भव्य शोभायात्रा कस्बा पटियाली में बड़ी धूमधाम से निकाली गई इस भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ फीता काट कर बसपा नेता जुनैद मियां द्वारा किया गया यह आकर्षक भव्य शोभायात्रा दर्जनों झांकियों,बैंड बाजों,डीजे,डोल तांसां सहित नगला खिन्नी से मुख्य बाजार होती हुई मोहल्ला चौक से गुजरकर गंजडुंडवारा रोड होती हुई वापस नगला खिन्नी पर खत्म हुई



कार्यक्रम के समापन पर समिति के लोगों ने कार्यक्रम में प्रमुख भूमिका निभाने वाले लोगों को सम्मानित किया। बाबा साहब की जयंती में तन मन और धन से श्रमदान करने वालों का भी शुक्रिया अदा किया

समिति के सचिव कश्मीर सिंह एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारी कमेटी के प्रत्येक पदाधिकारी ने दिन रात मेहनत की है उनकी मेहनत और लगन से ही भव्य शोभा यात्रा निकाली गई है आगे से और भी अच्छी तरह से

संस्था ने कैडल मार्च कर पहलगाम में शहीदों को दी श्रद्धांजली



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। समाज सेवी संस्था भारतीय न्याय चक्र फाउण्डेशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पहलगाम में निदोषों पर हुए आतंकी हमले की घोर निंदा करते हुए कैडल मार्च निकालकर श्रद्धांजली दी और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

वक्त भारतीय न्याय चक्र फाउण्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु मिश्रा ने कहा कि जिस प्रकार पाकिस्तान आतंवादियों के जरिए हिंदुस्तान की आत्मा पर आघात करता आया है मगर हिन्दुस्तान उसे सहन करता

आया है। मगर अब वह वक्त नहीं है हिंदुस्तानी भी किसी से कम नहीं है। ईंट का जवाब पत्थर से देना जानते हैं। सिर्फ धर्म पृष्ठकर आतंकी राक्षसों ने निर्दोष लोगों को गोली मारकर उनकी जान ले ली। यह घोर निंदनीय दुष्कृत्य किया है।

हर हिंदुस्तानी सरकार और सेना के साथ हमारे सैनिकों का मनोबल किसी प्रकार नहीं गिर सकता। जांबाज हैं जांबाज रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सेना के साथ जनता को भी आदेशित करें तो निश्चित रूप से हर हिंदुस्तानी ईंट का जवाब पत्थर से देगा। भारतीय न्याय चक्र फाउंडेशन का हर सिपाही को यदि आदेश मिले तो वह सीमा पर डटकर

दुश्मन का मुकाबला करना जानता है। सभी पदाधिकारियों ने गांव खेड़िया कैडिल मार्च दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिवारों के धैर्य धारण हेतु दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की।

घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए कामना की। इस दौरान संगठन के प्रबंधक राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी समीम खान, नौशाद अली, रहीश, सोनू, यासीन खान, आमीन खान, मीना बेगम, सोनी बेगम, कुमारी गुलनाज, कुमारी तमन्ना, गुल्फसा, सिफा, साफिया, रामदास लोधी, सर्वेश नागर, महेश चंद्र आदि लोग मौजूद थे।

थानों में की जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक संग जनसुनवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मुरसान कोतवाली में थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ जनसुनवाई की। इस जनसुनवाई के दौरान तहसीलदार सादाबाद, थाना प्रभारी मुरसान, राजस्व सादाबाद, लेखापाल आदि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

समाधान दिवस में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कुछ शिकायतों का मौके पर निस्तारण करते हुए, शेष शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। शासन की मंसा के अनुरूप जनपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस थाना दिवस में पुलिस और प्रशासन के अधिकारी एक जगह बैठकर शिकायतों का निस्तारण करते है जिसके

चलते लोगों को अलग अलग दफ्तरों में चक्कर नहीं लगाने पड़ते। मुरसान कोतवाली में चल रहे थाना समाधान दिवस के दौरान राजस्व से सम्बन्धित प्रकरणों में पुलिस एवं राजस्व टीम के सहयोग से मामलों के निस्तारण कराने हेतु सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने प्रभारी निरीक्षक सादाबाद को थाने पर आने वाले शिकायतकर्ताओं के साथ शिष्ट आचरण करने तथा उनकी समस्याओं को सुनकर शीघ्र गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

इसी क्रम में थाना समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने सर्किल के थानों पर जनसुनवाई की गई। जनसुवाई के दौरान आये हुए फरियादियों को समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।



सब मिलकर उनके विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे, बाबा साहब के विचारों को न केवल याद रखें, बल्कि अपने जीवन में आत्मसात करें। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त, समान और समावेशी समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी से बाबा साहब के बताये मार्ग पर चलने का आवाहन करते हुए उपस्थित सभी को डॉ0 आंबेडकर के जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी। शोभा यात्रा में बाबा साहब डा0

भीमराव आम्बेडकर जी और अन्य महापुरुषों की विभिन्न प्रकार की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने भक्तिमय माहौल में बाबा साहेब के जयकारे लगाए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सुभाष सिंह, चै0 बिजेन्द्र सिंह, समाजसेवी, सभासद, पत्रकार बंधु तथा भारी संख्या में गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित रहे।

43 डिग्री गर्मी के बाद बदला मौसम तेज हवाओं से तापमान में गिरावट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। बदले मौसम के मिजाज से कुछ खुश नजर आ रहे है तो वहीं कुछ किसानों की नींद उड़ रही है। हाथरस की सासनी सादाबाद सिकन्दराराऊ में किसान बड़ी संख्या में आलू गेंहू की फसल के साथ बाग बानी करते है, पूरे देश में सासनी के अमरूद बेर और आम अपनी एक पहचान रखता है, आगे के पड़ो पर इतना समय कच्चा आम यानी अमियां लदी है, इस तेज आंधी के बाद पैड़ों पर कितनी आमी बचेगी यहीं चिन्ता किसानों की नींद उड़ाने के लिए काफी है।

भारतीय मौसम विभाग ने हाल ही में जारी की गई अपनी भविष्यवाणी में संकेत दिया है कि देश में फैली झुलसा देने वाली गर्मी और लू के प्रकोप में जल्द ही कमी आएगी. अगले कुछ दिनों में तेज आंधी, धूल भरी हवाएं,

हल्की से मध्यम बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावनाओं के साथ मौसम में बदलाव होने की उम्मीद है। इस भविष्यवाणी की शुरुआत हाथरस में शनिवार की शाम होते ही शुरू हो गयी है, दोपहर तक 43 डिग्री गर्मी से राहत देती हुई तेज हवाओं से तापमान में गिरावट आई है, पर ये अपनी एक पहचान रखता है, आगे के पड़ो पर इतना समय कच्चा आम यानी अमियां लदी है, इस तेज आंधी के बाद पैड़ों पर कितनी आमी बचेगी यहीं चिन्ता किसानों की नींद उड़ाने के लिए काफी है।

वहीं इस भीषण गर्मी में झुलस रहे लोगों ने इस तेज हवा आंधी से राहत की सांस ली है। वहीं तेज वर्षा और ओलावृष्टी से फसलों को भारी नुकसान की आशंका सता रही है। आंधी वर्षा के बाद गर्मी से राहत तो मिल जायेगी पर तमाम गरीबों के रोजगार भी बन्द हो जाते है, जिसका डर उन्हें सता रहा है।

साइबर सेल व पुलिस टीम ने ठगी पीडितों को खुशियां लौटाई

ताजमहल से ज्यादा चर्चित अब आगरा की गोलियां, तीन दिन में तीन शूटआउट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार द्वारा साइबर अपराध एवं साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने व साइबर अपराध की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एवं साइबर नोडल प्रभारी अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी नगर कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण में व गुरसहायगंज प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में साइबर सेल टीम थाना पुलिस के द्वारा साइबर अपराधियों द्वारा की गई साइबर ठगी को रोकते हुए पीड़ितों की धनराशि वापस कराते हुये उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी।

बताते चलें कि थाना गुरसहायगंज क्षेत्र में साइबर अपराधियों द्वारा क्षेत्र के विभिन्न गांवों व मोहल्लों में विभिन्न मॉडस ऑपरेंडी (अपराध करने का तरीका) का प्रयोग करते हुए जनमानस को साइबर ठगी का शिकार बनाकर पीड़ितों के बैंक खातों को खाली किया गया था। साइबर पुलिस द्वारा जारी साइबर हेल्प लाइन नम्बर 1930 का पीड़ितों द्वारा प्रयोग कर साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज की गई थी। साइबर सेल गुरसहायगंज प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में साइबर सेल में नियुक्त हेड कास्टेवल/कम्प्यूटर ऑपरेटर तौफीक खॉन व



उनकी टीम कांस्टेवल योगेन्द्र, महिला कांस्टेवल रोशनी व प्रियंका द्वारा तत्परता दिखाते हुए साइबर अपराधियों द्वारा प्रयोग किये जा रहे खातों को फ्रीज कराकर धनराशि को हॉल्ड कराया गया एवं बैंक्स खातों को ट्रेस करते हुए बैंक के साथ समन्वय बनाकर नियमानुसार पीड़ितों मो. आरिफ हुसैन निवासी रसूलपुर 90000 रुपये, बलवीर सिंह निवासी रामकृष्णनगर (रिटायर्ड सुबेदार) 80665 रुपये, रेखा 50000 रुपये, फौजी पवन कुमार निवासी फतेहपुर जसोदा

40691रुपये, आरती कुशवाहा निवासी फतेहपुर थाना 25000 रुपये, मो. आफताब आलम निवासी मोहल्ला गाँधीनगर 25000 रुपये, अभिषेक गुप्ता निवासी शास्त्रीनगर 19930 रुपये, यात्री बन्धु उर्फ सुमित निवासी मलिकपुर 10000 रुपये, संजीव कुमार निवासी नौरंगपुर 10000 रुपये को 3,51,286 (तीन लाख इक्यावन हजार दो सौ छियासी रुपये) धनराशि पीड़ितों के सम्बन्धित बैंक खातों में वापस करायी गयी।

छोटी खबरें

किशोरी को भगा ले जाने का आरोप लगाकर दी तहरीर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम निवासी पीडित पिता द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि शुक्रवार को शाम 04 बजे पड़ोसी गांव साफीपुर जमी निवासी युवक उसकी 14 व्षीय पुत्री को कहीं बहला-फुसला कर भाग ले गया है। पीडित पिता को तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने निकाला कंडल मार्च



मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद इटावा एवं इसके सभी घटक विभागों के कर्मचारियों और शिक्षकों ने पहलगाम जम्मु कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष निहत्थे पर्यटकों पर किये गये कारराना बर्बरता पूर्ण हमले के विरोध में मारे गये पर्यटकों की आत्मा की शान्ति के लिये पक्का तालाब पर समस्त कर्मचारी एवं शिक्षकों ने एकत्रित होकर प्रदेश अध्यक्ष इजीनियर हरकिशोर तिवारी, जिला अध्यक्ष राजेश मिश्रा, जिला अध्यक्ष पैशनरस दिलीप मिश्रा, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष रिजवान अहमद, मंत्री पवन श्रीवास्तव की अगुवाई में केन्द्रल मार्च निकाला। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद काकेडल मार्च पक्का तालाब से प्रारम्भ होकर शहीद स्मारक नुमाइश पण्डाल पर पहुंचकर शहीद हुये पर्यटकों को अश्रुपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुये 2 मिनट मौन के उपरान्त समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में एंडिटर रामतेज यादव, अजय मिश्रा, वीरेंद्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिक्षक महिला अध्यक्ष कामना सिंह, संघर्ष समिति अध्यक्ष अजय, पंकज चौहान, मनोज त्रिपाठी, विजित सक्सेना, इंजी संजय दत्त, आबिद, राजेश तिवारी, धर्मेद, अनिल सिंह, अजय मिश्रा, योगेश पांडेय, हरिओम, रोहित यादव, ललित यादव, बिरजेश पाल, हसन मुआज, ताजदार हसन, शेरोज अंसारी, सरफराज अंसारी, आरिफ सहित सैकड़ों कर्मचारी शिक्षकों ने उपस्थिति दर्ज करायी।

विशेष लोक अदालत में विद्युत विभाग ने अर्थ दंड के रूप में वसूले सवा 23 लाख से अधिक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर स्पेशल जज ईसी एक्ट अंकुर शर्मा के न्यायालय में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष लोक अभियोजक जुबैर तैमूरी के प्रयास से विद्युत विभाग के 97 मामलों का निस्तारण किया गया तथा 23 लाख 33 हजार 556 रुपये अर्थ दण्ड के रूप में वसूला गया। विद्युत विभाग के अधिकांका जुबैर तैमूरी विभागीय अधिशासी अभियंताओं के सहयोग से मुकदमों का निस्तारण कर राज्य को बढ़ा रहे हैं। अधिशासी अभियंता प्रथम हनुमान प्रसाद मिश्रा, अधिशासी अभियंता द्वितीय आरपी सिंह तथा अधिशासी अभियंता तृतीय शम्भु कुमार सहित विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विशेष लोक अभियोजक जुबैर तैमूरी के विभाग के प्रति मामले निस्तारित करने के प्रयासों की सराहना की है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने पहलगाम में शहीद हुए लोगों को कैडल प्रज्वलित कर आत्मा की शान्ति की कामना की



मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। जिला कांग्रेस कमेटी ने सदर तहसील स्थित शहीद स्मारक पर जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित की अध्यक्षता में पहलगाम में शहीद हुए सभी भारतीय एवं विदेशी नागरिकों को नम आँखों से दो मिनट का मौन रखकर कैडल प्रज्वलित कर आत्मा की शान्ति की कामना की तथा ईश्वर उनके परिवारजनों को असीम धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करें। श्रद्धांजलि सभा में जिला अध्यक्ष आशुतोष दीक्षित, शहर अध्यक्ष राशिद खान, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष अनिल यादव, पल्लव दुबे, वरिष्ठ नेता अरशद अली, कोमल सिंह कुशवाहा, पूर्व पन.एस.यू.आई. प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत तिवारी, युथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष सोनब रिजवी, पन.एस.यू.आई.जिला अध्यक्ष आसिफ जादरान, सतीश शाव्य, अवनीश वर्मा, सतेंद्र महेश्वरी, अंसार अहमद, सोहेल वारिसी, मो. अल्ताफ, प्रदीप द्विवेदी, नरेंद्र यादव, अशुल यादव, रिषभ राजपूत आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

गुरसहायगंज/इटावा

ताजमहल से ज्यादा चर्चित अब आगरा की गोलियां, तीन दिन में तीन शूटआउट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजमहल की मोहब्बत भरी छाया में अब गोलियों की गूंज सुनाई देने लगी है। बीते तीन दिनों में ताजनगरी आगरा में एक के बाद एक तीन गोलीकांडों ने पूरे शहर को दहला दिया है। ताजगंज, न्यू आगरा और अब सिकंदरा में हुई वारदातों ने न सिर्फ पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं, बल्कि यह भी साफ कर दिया है कि अपराधियों के भीतर अब कानून का कोई डर नहीं बचा है। पहले ताजगंज के शिल्पग्राम क्षेत्र में रेस्टोरेंट कर्मचारी की हत्या, फिर न्यू आगरा में ऑटो चालक पर जानलेवा हमला और अब सिकंदरा में दिनदहाड़े कार से उतरते ही युवक को गोली मार दी गई। इन वारदातों ने आगरा को मानो टारगेट किलिंग का अड्डा बना दिया है।



सिकंदरा: देवीराम फूड सर्किल पर कार से उतरते ही युवक को मारी गोली- तीसरी सनसनीखेज घटना गुरुवार को सिकंदरा थाना क्षेत्र में हुई। देवीराम फूड सर्किल के पास कार से उतर रहे मिलन (उम्र करीब 22 वर्ष, निवासी बिचपुरी थाना जगदीशपुर, जाति प्रजापति) पर बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। मिलन गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पुलिस और फोर्स मौके पर पहुंची और क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और हमलावरों की तलाश में दबिश दे रही है। घटना के पीछे रंजिश या किसी अन्य अपराधिक कारण की आशंका जताई जा रही है।

नगर विकास समिति ने प्रारम्भ की नि:शुल्क शीतल पेयजल व्यवस्था

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। समाजसेवा में अग्रणी नगर विकास समिति के पदाधिकारियों द्वारा अनुठी पहल करते हुये भीषण गर्मी में निमाणार्धीन रेलवे स्टेशन की टोटियों से पानी की सप्लाई बंद होने की वजह से रेल द्वारा आवागमन करने वाले स्थानीय एवं सुदूर प्रदेश व जिलों से आने वाले यात्रियों की बेचैनी देखते हुये निःशुल्क शीतल पेय की व्यवस्था की गई है।

शनिवार को रेलवे स्टेशन अधीक्षक योगेन्द्र कुमार के निवेदन पर नगर विकास समिति अध्यक्ष हरिओम गुप्ता ने पदाधिकारियों के सहयोग से रेल यात्रियों के लिए नि:शुल्क शीतल पेय जल व्यवस्था की शुरूआत करने के उपरान्त कहा कि इस भीषण गर्मी में आम



जीनमानस सहित रेल यात्रियों को शीतल पेयजल के अभाव में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कहा कि नगर विकास समिति ने नागरिकों व रेल यात्रियों की सुविधाओं को बढबाये जाने के लिये

कई वर्षों तक संघर्ष किया है। जिसके फल स्वरूप को अमृत भारत योजना की सोगत मिली है। इस मौके पर नगर विकास समिति के उपाध्यक्ष अभिमन्यु त्रिपाठी उपस्थित रहे।

अगर किसी ने छेड़ा है तो उसे छोड़ेगा भी नहीं..यह नया भारत है: सीएम योगी

लखीमपुर खीरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखीमपुर खीरी के पलिया में जनसभा को संबोधित करते हुए आतंकवाद पर जमकर बरसे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभ्य समाज में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। अराजकता के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। भारत सरकार सुरक्षा, सेवा और सुशासन का मॉडल है, जो विकास, गरीब कल्याण और सबकी सुरक्षा पर आधारित है।

अगर कोई सुरक्षा में संध लगाने का दुस्साहस करेगा तो उसके लिए जीरो टॉरलेंस की नीति है। वह जिस भाषा में समझेगा, उसको उस भाषा में जवाब देने के लिए भारत तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नया भारत किसी को छेड़ता नहीं है। अगर किसी ने छेड़ा है तो उसे छोड़ेगा भी नहीं। उन्होंने कहा कि जीरो टॉरलेंस नीति के तहत उत्तर प्रदेश को माफियामुक्त किया। अराजकता और दंगों से मुक्त किया। यूपी को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के तौर पर लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब देश के अंदर उत्तर प्रदेश आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर वाला राज्य है। रेलवे का बेहतरीन नेटवर्क है, देश की पहली रैपिड रेल प्रदेश में चलती है। उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि साल 2017 के पहले किसानों का 10-10 वर्षों का गन्ना मूल्य



का बकाया रहता था। आज 105 चीनी मिलें ऐसी हैं, जो एक सप्ताह के अंदर गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही हैं। आज लखीमपुर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। मुख्यमंत्री ने लखीमपुर खीरी में मेडिकल कॉलेज के निर्माण पर खुशी जताई। कहा कि पहले यह सपना था, आज हकीकत है। सीएम योगी ने अपनी सरकार को उपलब्धियों को गिनाते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस जाति के नाम समाज को बांटने का काम कर रही है। समाजवादी पार्टी एक तरफ छत्रपति शिवाजी महाराज और राणा सांगा का अपमान करती है। दूसरी तरफ क्रूर शासक औरंगजेब और बाबर का महिमा मंडन करती है। मुख्यमंत्री योगी ने जनसभा से पहले पलिया में शादा नदी के चैनलाइजेशन कार्य का निरीक्षण किया।

संविधान को भी एक राष्ट्र एक चुनाव की है आवश्यकता: जल शक्ति मंत्री

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। प्रबुद्ध शक्ति देश की ताकत है जिनकी कुशाग्रता में नए-नए कानून का निर्माण तथा विसंगतियां में संशोधन के लिए हर्षवर्धन मैरिज होम इटावा में आयोजित विशाल प्रबुद्ध समागम में मुख्य अतिथि रामकेश निषाद जल शक्ति मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति कोविंद समिति द्वारा गहन चिंतन और विमर्श के बाद जिसमें 62 दलों से बातचीत की गई 32 दलों का समर्थन प्राप्त हुआ वहीं कांग्रेस आम आदमी पार्टी के द्वारा इसका विरोध किया गया।

दुनिया के फिलिपींस, ब्राजील, जापान, इंडोनेशिया जर्मनी जैसे अन्य देशों में एक राष्ट्र और एक चुनाव के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था संपन्न भारत, सुदृढ़ भारत,सशक्त भारत बनने का गौरव प्राप्त होगा। विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश करी ने



एक राष्ट्र और एक चुनाव के माध्यम से पूर्व की भाँति लोकसभा विधानसभा के चुनाव तथा पंचायत के चुनाव दो चरणों में पूर्ण कराई जाएं एक राष्ट्र एक चुनाव के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था संपन्न भारत, सुदृढ़ भारत,सशक्त भारत बनने का गौरव प्राप्त होगा। विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश करी ने

कहा की एक राष्ट्र एक चुनाव देश की तकदीर और तस्वीर को बदलने का कार्य कराग।विधायक सरिता भदौरिया ने कहा कि भारत को स्वावलंबी बनाने के लिए कानून में संशोधन करने की आवश्यकता है एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए सशक्त कानून बने इसके लिए हम सभी को जागरुक होकर इसका पुरजोर समर्थन करना है।

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। शासन के निर्देश पर कोतवाली परिसर में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुल तीन शिकायतें आई जिसमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जबकि अन्य दो शिकायतों के निस्तारण के लिये निर्देशित किया है।

शनिवार को स्थानीय कोतवाली परिसर में आयोजित समाधान दिवस में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के समक्ष कुल तीन राजस्व संबंधित शिकायतें आई जिसमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि अन्य दो मामलों की जांच के लिये निर्देशित करने के उपरान्त उन्होने



बताया कि समाधान दिवस का उद्देश्य जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर त्वरित समाधान करना है। इस दौरान निरीक्षक शलेन्द्र सिंह, कस्बा प्रभारी दीपक चैधरी, उपनिरीक्षक धीरेन्द्र

सिंह, प्रदीप कुमार, राजकुमार पटवा, संजीव कटारा सहित लेखपाल कोशल पाण्डेय, अधिपाक कटियार, कुलदीप यादव, अतुल ठाकुर, हर नारायण सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

टायर गोदाम में लगी भीषण आग लाखों का हुआ नुकसान, दमकल विभाग की गाड़ियों का पानी हुआ खत्म

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। जनपद इटावा के कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत उर्दू मोहल्ला स्थित एक टायर गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई जिससे गोदाम में रखे लाखों रुपए के टायर जलकर स्वाहा हो गये। टायर गोदाम में लगी आग का धुआँ कई किलोमीटर दूर तक फैला। घटना की सूचना पर दमकल विभाग की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई, लेकिन कई गाड़ियों में पानी न होने के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका जिसके बाद दमकल विभाग की गाड़ियों द्वारा पास में बने शोरूम की बिल्डिंग में लगे फायर सेफ्टी सिस्टम से पानी लिया गया उसके बाद आग पर लगभग 45 मिनट के बाद काबू पाया गया।

आग की सूचना पर सैकड़ों की तादात में लोग मौके पर पहुंच गए थे। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस द्वारा टायर गोदाम में आग लगने के कारण सैकड़ों इलाकाई लोगों को घटनास्थल से बाहर निकाला गया। उर्दू मोहल्ला के जिस स्थान पर टायर गोदाम को बनाया गया था वह बीच रिहाईसी जगह पर बनाया गया था उसके आसपास स्कूल निजी शोरूम व घनी आबादी क्षेत्र था, जिसको देखकर सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि



बीच आबादी वाले क्षेत्र में खुले में टायर गोदाम बनाने की परमिशन आखिरकार कौन सा सक्षम अधिकारी देता है और अगर देता है तो क्या फायर सेफ्टी सिस्टम की जानकारी इन टायर गोदाम बनाने वाले क्षेत्राधिकारी नगर रामगोपाल शर्मा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका विनय मणि त्रिपाठी सहित कोतवाली थाना की इस जैसे तकरीबन 100 से ज्यादा टायर

गोदाम शहर में बने हुए है। टायर गोदाम लगी भीषण आग के लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। आग लगने की घटना पर मुख्य रूप से इटावा के एसडीएम सरदर विक्रम सिंह राघव, संचालकों को क्या नहीं दी जाती है। अगर बात इटावा शहर की की जाए तो आज जिस टायर गोदाम में घटना घटित हुई है इस जैसे तकरीबन 100 से ज्यादा टायर

चेयरमैन व सभासदों ने पहलगाम मृतकों को दी श्रद्धांजलि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर पंचायत तालग्राम सभागार में चेयरमैन मोहसिन खॉन उर्फ जानू व सभी सभासदों ने विगत दिनों जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक के दौरान दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

शनिवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में चेयरमैन मोहसिन खॉन उर्फ जानू ने कहा कि देश की अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आतंकवाद के विरुद्ध सख्त कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह आतंकियों और उनके सरपरस्त



संगठनों के खिलाफ निर्णायक और कठोर कार्रवाई करे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। सभासदों उमेश चन्द, राजा, अतुल गुप्ता, बहार, राजेश शर्मा, नरेन्द्र शाव्य, पंकज ठाकुर, डा. अजीत यादव, नईम अहमद, कादिर मंसूरी, राशिद ने भी अपने संबोधन में हमले की कड़ी निंदा की और

आतंकवाद को मानवता के खिलाफ घोर अपराध करार दिया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि देश एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख अपनाए और इस वैश्विक समस्या को जड़ से समाप्त करे। इस दौरान वरिष्ठ लिपिक दीपक सचिता सहित तमाम कर्मी मौजूद रहे।



बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झई स्किन, हेयर और आर्इ



हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और



गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

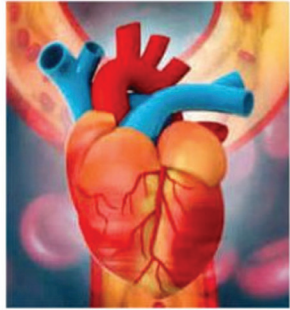
- मसाज से मांसपेशियों की सिक्कुने और फैलने की क्षमता में बढ़ोतरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिज्म का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- दुड्ड की मसाज
- गर्दन की मसाज

आंखों में रूखापन कर सकती है। नाखून हो जाएंगे कमजोर नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मैब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल



ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डेमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती है।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टुना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।



गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है।

गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।



कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं

बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण है। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पड़िका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदे पदार्थ बाहर निकल सकें और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बन सके।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साबुजा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटेशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू

और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तत्व जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नेचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।



आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण है। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

अंगूर



एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नेचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब



सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है। सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नेचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर परफुट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।



स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव आम में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें वयूसैटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टार्टरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।



बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा। सभी साथ बैठकर खाएं। एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खाना जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रखी तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

बच्चों को चुनने दें जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो



मंदिर की परिक्रमा कैसे मन को बेहतर कराती है महसूस? शरीर और मन को देती है नया रूप

नई दिल्ली। मंदिर हर हिंदू के लिए सबसे बड़ा आस्था का केंद्र होता है, किसी भी शुभ अवसर के मौके पर लोग मंदिर जाकर भगवान का धन्यवाद करते हैं और मंदिर की परिक्रमा जरूर करते हैं। लेकिन, ये बहुत कम लोगों को पता होता है की मंदिर की परिक्रमा ना सिर्फ आस्था का विषय है, बल्कि यह हमारे शरीर और मन को नया रूप देती है।

क्यों की जाती है परिक्रमा



मंदिर के परिक्रमा पथ को पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों के साथ वास्तु सिद्धांतों का इस्तेमाल कर के संरेखित किया जाता है। मंदिर से निकलने वाली ऊर्जा नोड्स की तरह काम करती है, यह पृथ्वी की जियोमैग्नेटिक वेव्स के साथ शरीर की लय को बढ़ाने का काम करते हैं।

ब्लड सर्कुलेशन
परिक्रमा करने से दिल से जुड़ा व्यायाम भी होता है क्योंकि इससे दिल का ब्लड सर्कुलेशन भी मेटेन रहता है, बीपी का खतरा कम होता है और पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है जिससे शरीर को पुराने दर्द से आराम मिलने की संभावना बढ़ जाती है।



मंदिर की ऊर्जा

घड़ी की सुई की दिशा में घूमने से सूर्य के पूर्व से पश्चिम की तरफ घूमने वाले आर्क को दर्शाता है। यह रेखा सैक्रेडियन लय को रेगुलेट करता है जो पूरे दिन हॉर्मोन्स का संतुलन बनाए रखता है। नंगे पैर चलने से पैरों के एक्जुप्रेजर क्षेत्रों में एलर्जी जेनरेट होती है जो नर्वस सिस्टम को सक्रिय रखने में मदद करता है और मन के पुराने तनाव को कम करता है।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स

अच्छे लय से चलने वाली परिक्रमा ध्यान की अवस्था को बढ़ाती है, शोध से यह पता चला है की इससे कॉर्टिसोल का उत्पादन धीमा हो जाता है जिससे अल्ट्रा बेन वेव्स में बढ़ोतरी होती है जिससे मन की शांति में इजाफा होता है। मंदिर के पथर और ज्यामिति इलेक्ट्रोमैग्नेटिक क्षेत्र की ऊर्जा को बढ़ाती है। उनके बीच से गुजरने से बायोफील्ड इंटरैक्शन बढ़ता है।

रोचक खबरें



लड़के ने छत्ते में हाथ डालकर बाहर निकालीं मधुमक्खियां, लोग बोले- भाई मौत से खेल रहा है

नई दिल्ली। हमें जहां भी मधुमक्खी का छत्ता दिखाता है तो उसे हाथ लगाना तो दूर पास में भी खड़े नहीं होते हैं। क्योंकि, मधुमक्खी जब डंक मारती है तो कई दिनों तक शरीर का वो हिस्सा सूजा हुआ रहता है और ऐसा लगता है कि किसी ने ढेर सारी सुइयां एक साथ लगा दी है। यही नहीं, अगर मधुमक्खी मुंह पर डंक मार दे तो फिर शक्ल का जो नक्शा बदलता है, वो देखने लायक होता है। चीड़ियों में शख्स मधुमक्खी के छत्ते में अपने हाथ डाल रहा है और उसमें से शहद निकाल रहा है। लोग इस चीड़ियों पर काफी मजेदार प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। हाल ही में, सोशल मीडिया पर एक चीड़ियों तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स बिना किसी भी सुरक्षा के मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डाल रहा है। खेर आपको तब होगी जब हम आपको यह बताएंगे कि छत्ते में हाथ डालने के बाद वह खुद मधुमक्खियों को अपने हाथों से निकाल रहा है और उन्हें एक के बाद एक हवा में छोड़ने लग जाता है। शख्स इन चीज को इतने आराम से करता है, जैसे कि उसे इसकी रोज की प्रैक्टिस हो और इससे उसे कोई नुकसान भी नहीं होता है। बता दें कि चीड़ियों की शुरुआत ऐसे होती है कि एक लड़का खिड़की के पास बैठा होता है, जहां मधुमक्खी का छत्ता लटक रहा होता है। इसके बाद वह आराम से मधुमक्खियों को हाथ में भरता है और छत्ते में से निकालने लगता है। इस दौरान मधुमक्खियों चारों ओर उसके आसपास मंडरा रही होती है, लेकिन उस शख्स को बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता है।

पहचान छुपाकर कॉलेज की 10 से ज्यादा लड़कियों को डेट कर रहा था प्रोफेसर

बीजिंग। हम बचपन से सीखते आए हैं कि टीचर हमारे लिए आदर्श होते हैं। वे हमें सही-गलत की पहचान सिखाते हैं और उनका सम्मान करना हमारा फर्क होता है। लेकिन, जब कोई टीचर अपनी जिम्मेदारी भूलकर गलत काम करे, तो भरोसा टूट जाता है और ये सवाल उठता है कि क्या स्कूल और कॉलेज अब भी सुरक्षित हैं? हाल ही में, चीन के शेडोंग प्रांत की लिओचेंग यूनिवर्सिटी के डॉगचांग कॉलेज में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। यहाँ एक मेल प्रोफेसर, वू नाम का व्यक्ति, पिछले आठ सालों से इकोनॉमिक्स पढ़ा रहा था। लेकिन, वह अपनी असली उम्र, नाम और पहचान छिपाकर कई लड़कियों से दोस्ती और प्यार के रिश्ते बना रहा था। हालाँकि, बाद में उसका खुलासा हो जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोफेसर वू ने 10 से ज्यादा छात्राओं को झूठी बातें बताकर, जैसे कि अपना नाम और प्रोफेशन छिपाकर, उनके साथ रिश्ते बनाए। वो सिर्फ अपने कॉलेज की ही नहीं, बल्कि दूसरे कॉलेज की लड़कियों को भी डेट कर रहा था। यह सब तब सामने आया जब कॉलेज को एक गुमनाम चिट्ठी मिली। उसमें वू की सारी हरकतों के बारे में लिखा था। कॉलेज ने इसकी जांच शुरू की और जल्द ही ये मामला सोशल मीडिया पर भी फैल गया। इसके बाद कॉलेज ने वू के खिलाफ कार्रवाई की। जांच में पता चला कि एक लड़की के गर्भवती होने पर वू ने उसे गर्भपात करने के लिए मजबूर किया। उसने लड़की को डगथा कि अगर वह उसकी बात नहीं मानेगी, तो उसके पिता अपनी जान दे देंगे।

कब्रिस्तान में दफनाने से पहले जिंदा हुई लाश, रिश्तेदारों में मची अफरा-तफरी

बार्सिलोना। कई बार हमारी आंखों के सामने ऐसी घटनाएं देखने को मिल जाती है, जिस पर यकीन करना हमारे लिए काफी ज्यादा मुश्किल हो जाता है। ऐसी चीजें कई बार हम लोगों को चमत्कार लगती है लेकिन होता कुछ नहीं है। ऐसी ही एक घटना इन दिनों स्पेन से सामने आई है। यहां अंतिम संस्कार से पहले एक महिला जिंदा हो उठी और जब उसके घरवालों ने उसे देखा तो वहां अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि लोगों ने इस महिला को एकदम मरा हुआ समझ लिया था। एक रिपोर्ट की माने तो एक बुजुर्ग महिला को तबियत खराब होने के बाद जुआन मार्च दो बुनवोला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी कंडीशन को देखने के बाद उसे तुरंत मरा हुआ घोषित कर दिया। जिसके बाद घरवालों ने महिला के अंतिम संस्कार की तैयारी की और उसे उठाकर कब्रिस्तान ले गए। यहां कब्रिस्तान का स्टाफ महिला को कब्र में डालने ही वाला था कि उन्हें महिला का शरीर और उंगलियां हिलती हुई दिखाई दीं। पहले तो वहां के लोगों ने इसे इलेक्ट्रिक कमझा और पूरी तरीके से नजरअंदाज कर दिया। हालाँकि, ऐसा जब बार-बार हुआ तो लोगों हैरान रह गए। इस नजारे को देखने के बाद वहां मौजूद लोग घबरा गए और उन्हें जल्दबाजी में अस्पताल लेकर गए। जहां पैरामेडिक्स के लोगों ने देखा कि ये महिला तो वाकई जिंदा है। इसके बाद डॉक्टरों ने अपनी जांच पड़ताल शुरू की और पाया कि सच में ये महिला जिंदा, लेकिन ये खुशी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई और महिला की मौत हो गई। अस्पताल में कुछ ही देर बाद दोबारा से महिला को मृत घोषित कर दिया।

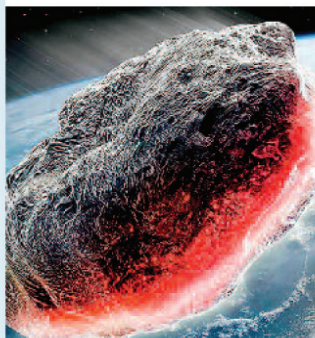


धरती की ओर बढ़ रही 'आफत', 600 मील दूर से कर देगी अनगिनत चीथड़े

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने आकाशगंगा से 1,10,000 मील प्रति घंटे की खतरनाक रफ्तार से गुजरने वाले बेहद शक्तिशाली जॉम्बी तारे की खोज की है। इस 'जॉम्बी तारे' का सबसे खतरनाक बात ये है कि इसमें ऐसा खतरनाक मैग्नेटिक फील्ड है जो मनुष्यों को चीरकर उनके टुकड़े-टुकड़े कर के सैकड़ों मील दूर बिखेर सकता है। जॉम्बी तारा एक मैग्नेट है। जिसे एसजीआर 0501+4516 कहा जाता है। यह एक न्यूट्रॉन तारा है जिसमें एक कमांडिंग चुंबकीय क्षेत्र होता है। न्यूट्रॉन तारे मृत तारों के अवशेष होते हैं, जो छोटे ग्रहों के आकार में ढह गए हैं लेकिन उनका द्रव्यमान सूर्य जैसे तारों के बराबर है।

जॉम्बी स्टार की खोज कब हुई?

जॉम्बी स्टार हमारी आकाशगंगा में मौजूद



30 मैग्नेटर्स में से एक है, जिसकी खोज 2008 में हुई थी। उस समय ये धरती से करीब 15,000 प्रकाश वर्ष दूर था, हालाँकि अभी 10 दिन पहले एस्ट्रोनॉमी चंड एस्ट्रोफिजिक्स में प्रकाशित नई स्टडी रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने एसजीआर 0501+4516 के बाद के दृश्यों के विश्लेषण के बाद ये नतीजा निकाला गया कि ये आकाशगंगा में अपेक्षा से कहीं ज्यादा तेज रफ्तार से घूम रहा है।

राख बनकर उड़ जाएगा इंसानों का शरीर



वया जॉम्बी स्टार इंसानों को खत्म कर सकता है?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एसजीआर 0501+4516 का चुंबकीय क्षेत्र पृथ्वी की सुरक्षा कवच से लगभग 100 ट्रिलियन गुना ज्यादा शक्तिशाली है। नासा ने अपने एक बयान में कहा था कि अगर ये पृथ्वी के पास से चंद्रमा की आधी दूरी से भी उड़ता है, तो इसका तीव्र मैग्नेटिक फील्ड हमारे ग्रह पर मौजूद हर क्रेडिट कार्ड को नष्ट कर देगा। वहीं, अगर कोई मनुष्य इसके दायरे के 600 मील के भीतर पहुंच जाता है, तो पलक झपकते ही मौत के मुंह में समा जाएगा। मैग्नेटर उस खोफनाक घटनाक्रम को ऐसी साइंस स्टोरी बताएगा जिसमें एक किंगडम इतनी खतरनाक बन जाएगा, जो शरीर के अंदर मौजूद हर परमाणु को नष्ट कर देगा।



मैग्नेटर्स

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब तक शोधकर्ता ये मानते थे कि मैग्नेटर्स का निर्माण मरते हुए तारों के किस्कोट से हुआ था, जो बाद में न्यूट्रॉन तारों में बदल गए। हालाँकि इस एसजीआर 0501+4516 के आसपास के क्षेत्र में हुई रिसर्च में पता चला कि ये जॉम्बी स्टार बेतहाशा तेज रफ्तार से गलत दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे पहले मैग्नेटर के प्रक्षेप पथ यानी स्ट्र की पड़ताल के दौरान पता था कि कोई अन्य सुपरनोवा अवशेष या विशाल तारा समूह नहीं था, जिसके साथ इसे जोड़ा जा सके। नई स्टडी के नतीजों को काफी अहम माना जा रहा है।

नै नोटेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन - रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक - अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान,

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमैडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी,

में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं:

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- निर्माण उद्योग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दावाइयों
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेजर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज:

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमटी ईस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमटी यूनिवर्सिटी, नोएडा



रचनात्मक प्रस्तुति को लेकर सुखियों में अपारशक्ति खुराना

अपनी रचनात्मक प्रस्तुति को लेकर अभिनेता, गायक और होस्ट अपारशक्ति खुराना आजकल सुखियों में हैं। उन्होंने हाल ही में मशहूर पाकिस्तानी कवि अनवर मसूद की प्रसिद्ध कविता बनेन को अपनी शैली में प्रस्तुत किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इस रचनात्मक यात्रा का सबसे भावुक पल तब आया जब यह प्रस्तुति खुद अनवर मसूद साहब तक पहुँची। उन्होंने न केवल इस प्रयास को सराहा, बल्कि अपारशक्ति के अभिनय और अदायगी की खुलकर तारीफ भी की। अनवर मसूद ने अपारशक्ति के लिए एक विशेष वीडियो संदेश भेजा जिसमें उन्होंने कहा, खुराना साहब, आपने मेरी नज़्म बनेन जो पढ़ी है, वह मैंने सुनी है और मुझे बहुत पसंद आई है। मेरी नज़्म और आपकी अदायगी, दोनों मिलकर एक बहुत खूबसूरत मंज़ूर पेश करते हैं। मैं आपको इस अदायगी पर मुबारकबाद देता हूँ। ऐसे प्रतिष्ठित साहित्यकार से मिली सराहना से अपारशक्ति भावुक हो उठे और उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना आभार प्रकट करते हुए लिखा कि यह क्षण उनके लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने अनवर साहब की पोती हादिया आकिब को भी विशेष धन्यवाद दिया, जिनकी मदद से यह वीडियो संदेश उनके पास पहुँचा। अपारशक्ति का यह प्रयास न केवल उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि साहित्य और कला की भाषा सीमाओं से परे होती है। इस भावनात्मक संवाद ने भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक रिश्तों की एक खूबसूरत मिसाल पेश की है। अपारशक्ति की यह प्रस्तुति सिर्फ एक वीडियो नहीं, बल्कि एक सरहद पार साहित्यिक पुल है जो दिलों को जोड़ता है। अब दर्शकों की निगाहें उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स पर हैं। वह जल्द ही फिल्म बदतमीज़ गिल में परेश रावल और वाणी कपूर के साथ नजर आएंगे।

निल बटे सन्नाटा: अच्छी कहानी के लिए नामी चेहरे जरूरी नहीं

साल 2015 में आई छोटी सी फिल्म निल बटे सन्नाटा ने बिना बड़े सितारों या भारी प्रमोशन्स के वो कर दिखाया, जो बड़ी-बड़ी फिल्मों के लिए भी मुश्किल होता है। प्रोडक्शन हाउस 'कलर यलो प्रोडक्शन्स' के तहत बनी इस फिल्म ने यह संदेश दिया कि एक अच्छी कहानी के लिए जरूरी नहीं कि नामी चेहरे हों, बस सच्ची भावनाएं और मेहनत से रचा गया सपना होना चाहिए। फिल्म एक सिंगल मदर की कहानी कहती है, जो घरेलू सहायिका होने के बावजूद अपनी बेटी के लिए ऊँचे सपने देखती है। इस किरदार को स्वरा भास्कर ने बेहद संजीवरी से निभाया। उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को न सिर्फ भावुक किया, बल्कि सोचने पर भी मजबूर कर दिया कि समाज में किस तरह सपनों को वर्ग, उम्र या हैसियत के आधार पर सीमित कर दिया जाता है। निल बटे सन्नाटा की सबसे बड़ी खूबी यही थी कि उसने उम्मीद और हौसले की बात की, और दिखाया कि अगर इरादा पक्का हो, तो कोई भी बाधा मायने नहीं रखती। यह फिल्म उस पुरानी सोच को तोड़ती है कि एक सफल फिल्म में पुरुष लीड जरूरी होता है। इस फिल्म में कैमरे के दोनों ओर महिलाएं थीं सामने स्वरा भास्कर, और निर्देशन की कमान थामे अश्विनी अय्यर तिवारी, जिनके लिए यह पहली फिल्म थी। उन्होंने एक ऐसी कहानी कही जो हर उम्र, हर वर्ग और हर जेंडर को छू गई। नौ साल बीत जाने के बाद भी निल बटे सन्नाटा उतनी ही प्रासंगिक, ताज़ा और प्रेरणादायक लगती है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है एक भरोसा कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों, अगर उम्मीद थामे रखी जाए, तो ज़िंदगी बदली जा सकती है। यह फिल्म उन गिनी-चुनी कहानियों में से एक है जो आपको मुस्कुराना सिखाती है, और यह यकीन दिलाती है कि जहाँ भी हों, आप आगे बढ़ सकते हैं। सपनों की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती, और यही बात निर्देशक आनंद एल राय और फिल्म निल बटे सन्नाटा ने साबित कर दी।



मैं आपसे सबसे ज्यादा प्यार करती हूँ अप्पा: श्रुति हासन

बालीवुड एक्ट्रेस श्रुति हासन ने अपनी जिंदगी के सबसे खास रिश्ते पर खुलकर बात की है। अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने बताया कि वह किससे सबसे ज्यादा प्यार करती हैं, और वह कोई और नहीं बल्कि उनके पिता और साथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता-निर्देशक कमल हासन हैं। श्रुति ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह अपने पिता के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरों में कमल हासन ब्राउन पैंट और बेबी पिंक टी-शर्ट पहने कुर्सी पर बैठे हैं, जबकि श्रुति ब्लैक आउटफिट में उनके पैरों के पास जमीन पर बैठी हैं। दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे हैं। इन प्यारी तस्वीरों के साथ श्रुति ने एक इमोशनल कैप्शन भी लिखा है: 'आप हमेशा मेरी जिंदगी की रोशनी और ताकत का जरिया हो, हंसी का कारण होज्मैं आपसे सबसे ज्यादा प्यार करती हूँ अप्पा।' फैंस को यह पोस्ट काफी पसंद आ रही है और सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई भावुक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई यूजर्स ने पिता-बेटी के इस प्यार रिश्ते को दिल छू लेने वाला बताया है। श्रुति का पूरा नाम श्रुति राजलक्ष्मी हासन है। उनका जन्म 28 जनवरी 1986 को तमिलनाडु में हुआ था, जो उनके माता-पिता कमल हासन और सारिका की शादी से दो साल पहले हुआ था। बाद में कमल और सारिका ने 1988 में विवाह किया और उनकी दूसरी बेटी अक्षरा हासन का जन्म हुआ। हालांकि 2004 में यह रिश्ता तलाक के साथ खत्म हो गया। श्रुति और कमल हासन के बीच का यह भावनात्मक रिश्ता इंडस्ट्री में मिसाल माना जाता है, और एक बार फिर इस पोस्ट ने यह साबित कर दिया कि पब्लिक फिगर होने के बावजूद भी कुछ रिश्ते बेहद निजी और अनमोल होते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस श्रुति हासन अक्सर अपने अभिनय से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुखियों में रहती हैं। फैंस और पैपराजी अक्सर उनसे शादी और रिलेशनशिप को लेकर सवाल पूछते हैं।



जान्हवी ने पीरियड्स के दर्द को कम आंकने वाले पुरुषों पर साधा निशाना

हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने महिलाओं के पीरियड्स के दर्द को कम आंकने वाले पुरुषों पर निशाना साधा। जान्हवी का कहना है कि अगर मर्दों को पीरियड्स होते तो वे एक पल भी इस दर्द को सहन नहीं कर पाते, और शायद तब पूरी दुनिया में युद्ध जैसा माहौल बन जाता। उन्होंने कहा कि कई बार जब महिलाओं का मुँह खराब होता है या वे किसी बात पर बहस करती हैं, तो पुरुष उन्हें यह कहते हैं, क्या यह पीरियड्स का समय है? लेकिन जान्हवी का मानना है कि इस तरह की बातें महिलाओं के दर्द और भावनाओं को अन्देखा करने जैसी हैं। उनका कहना है, अगर आप सच में हमारी भावनाओं को समझते हैं तो आपको थोड़ा रुकना चाहिए, क्योंकि पीरियड्स का दर्द इतना गहरा होता है कि उसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता। जान्हवी ने आगे कहा, यह बहुत अजीब और गलत नज़रिया है, क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ, पुरुष इस दर्द और मूड स्विंग को एक मिनट भी सहन नहीं कर पाएंगे। अगर मर्दों को पीरियड्स होते तो शायद पूरी दुनिया में परमाणु युद्ध जैसा माहौल बन जाता। जान्हवी का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और लोग इसे लेकर खूब चर्चा कर रहे हैं। जान्हवी कपूर को 2024 में तीन फिल्मों रिलीज़ हुईं, जिनमें 'मिस्टर एंड मिससेज माही', 'उलझन' और 'देवरा पार्त 1' शामिल हैं। अब एक्ट्रेस अपनी अगली फिल्म सनी संस्कारों की तुलसी कुमारी की श्रुतिग में व्यस्त हैं। इसके अलावा, उनकी फिल्म परम सुंदरी 2025 में रिलीज़ होगी। जान्हवी तेलुगु फिल्म पेड्डी में भी नजर आएंगी, जिसमें राम चरण, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी होंगे। पेड्डी 27 मार्च 2026 को रिलीज़ होने वाली है।

‘महाभारत’ पर काम शुरू करने जा रहे हैं आमिर खान

हाल ही में एक इंटरव्यू में बालीवुड एक्टर आमिर खान ने खुलासा किया कि वह इस साल से 'महाभारत' पर काम शुरू करने जा रहे हैं। यह फिल्म उनका अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट साबित होने वाला है। उन्होंने बताया कि 'महाभारत' को मल्टीपल पार्ट्स में बनाया जाएगा, ठीक उसी तरह जैसे हॉलीवुड की मशहूर सीरीज़ 'लॉर्ड ऑफ़ द रिंग्स' को पेश किया गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस भव्य प्रोजेक्ट की स्क्रिप्टिंग में काफी समय लग सकता है क्योंकि कहानी को संजीवरी और विस्तार के साथ दर्शाना उनका प्राथमिक उद्देश्य है। फिल्म को लेकर आमिर ने यह भी कहा कि वह खुद इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट नहीं करेंगे। उन्होंने इसे एक मल्टी-डायरेक्टर प्रोजेक्ट बताया, जिसका निर्देशन कई फिल्ममेकर मिलकर करेंगे। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के हर पार्ट पर एक अलग दृष्टिकोण और विशेषज्ञता के साथ काम किया जाएगा। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह खुद फिल्म में एक्टिंग करेंगे, तो आमिर ने कहा कि इस बारे में उन्होंने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है।

उन्होंने कहा कि रोल्स का चयन टीम करेगी और इस बात का फैसला लिया जाएगा कि कौन सा कलाकार किस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त होगा। आमिर खान आखिरी बार साल 2022 में फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आए थे, जो हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' की आधिकारिक रीमेक थी। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब आमिर फिल्म 'सितारे जमीन पर' में दिखाई देंगे, जो साल 2007 में आई सुपरहिट फिल्म 'तारे जमीन पर' का सीकवल है। इस फिल्म का निर्देशन आर.एस. प्रसन्ना कर रहे हैं और इसमें आमिर के साथ दर्शन सफारी और जनेलिया देशमुख भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'महाभारत' को लेकर दर्शकों में जो उत्सुकता है, वह आमिर के इस नए कदम के बाद और भी बढ़ गई है। बता दें कि आमिर खान पिछले कुछ समय से अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'महाभारत' को लेकर चर्चा में हैं। इस पौराणिक गाथा पर आधारित फिल्म को लेकर कई तरह की अटकलें और खबरें पहले से ही सामने आती रही हैं।



फिल्म निकिता रॉय की रिलीज डेट का ऐलान



साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिका निभा रही हैं, उनके साथ अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहेल नख्यर जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 30 मई, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है, जिसमें इसकी ऑफिशियल रिलीज डेट का खुलासा किया गया है। निकिता रॉय का निर्देशन कुश एस. सिन्हा ने किया है। फिल्म का जॉनर साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो ह्यूमन माइंड के ग्रे एरियाज और रहस्यमय परतों को सामने लाने का दावा करती है। फिल्म का निर्माण निकिता पाई फिल्मस् लिमिटेड के बैनर तले हुआ है। इसका नेतृत्व किजल अशोक घोने ने किया है और इसमें निक्की खेमचंद भनानी, विक्की भनानी, अंकुर टकरानी, दिनेश रतिराम गुप्ता और क्रेटोस एंटरटेनमेंट ने सहयोग दिया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले पवन कृपलानी ने लिखा है, जो थ्रिलर जॉनर के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के निर्माता निक्की और विक्की भनानी ने अपनी उत्सुकता साझा करते हुए कहा, यह फिल्म हमारे दिल के बेहद करीब है। यह उन विषयों को छूती है जो आमतौर पर मेनस्ट्रीम सिनेमा में नहीं दिखते। फिल्म की कहानी, शानदार कास्ट और कुश एस सिन्हा का अलग विजन इसे एक मस्ट-वॉच बनाता है। हमें पूरा भरोसा है कि दर्शक इस तरह के कंटेंट के लिए तैयार हैं। रहस्य, थ्रिल और मनोवैज्ञानिक गहराईयों से भरपूर यह फिल्म 2025 की सबसे रोचक थ्रिलर्स में से एक मानी जा रही है। दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह पहले से ही देखने को मिल रहा है। निकिता रॉय को आनंद प्रेता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, मेहनाज़ शेख और प्रेम राज जोशी ने को-प्रोड्यूस किया है।

ज्वेल थीफ: द हाइस्ट बिगिन्स' को लेकर चर्चा में सैफ अली खान



अपनी आगामी फिल्म 'ज्वेल थीफ: द हाइस्ट बिगिन्स' को लेकर अभिनेता सैफ अली खान खासा चर्चा में हैं। सैफ इसके प्रमोशन में पूरी तमयता से जुटे हुए हैं। उन्होंने एक और बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे डायरेक्टर राहुल दोलकिया निर्देशित कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग मुंबई के बल्लाई एस्टेट स्थित ग्रैंड होटल के पास शुरू हो चुकी है। सैफ आने वाले कुछ हफ्तों में शहर के अलग-अलग हिस्सों में शूटिंग करते नजर आएंगे। उन्होंने प्रतीक गांधी और दीपक डोबरियाल के साथ एक महत्वपूर्ण सीकेंस भी फिल्माया है। माना जा रहा है कि 'ज्वेल थीफ' के प्रमोशनल कमिटमेंट्स पूरे करने के बाद, सैफ पूरी तरह इस नए प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हालांकि फिल्म से जुड़ी जानकारीयों को गोपनीय रखा गया है, लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि सैफ इस फिल्म में भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन का किरदार निभा सकते हैं। यह फिल्म भारत के पहले आम चुनाव और उस दौर की ऐतिहासिक घटनाओं को उजागर करेगी, जिसमें सेन की भूमिका केंद्रीय होगी। वहीं, 'ज्वेल थीफ-द हाइस्ट बिगिन्स' की बात करें तो यह एक हाई-स्टेक हीस्ट ड्रामा है, जिसमें सैफ रेहान रॉय की भूमिका में हैं, जिसे जयदीप अहलावत का किरदार राजन औलाख 500 करोड़ रुपये के कीमती अफ्रीकन रेंड सन हीरे की चोरी के लिए हायर करता है। फिल्म में कुणाल कपूर इंस्पेक्टर विक्रम पटेल, निकिता दत्ता राजन की पत्नी और रेहान की एक्स-गर्लफ्रेंड फराह के किरदार में हैं। फिल्म में शबाना आज़मी, अनुपम खेर, परेश रावल और जैकी श्रॉफ जैसे सशक्त कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्देशन कुकी गुलती और रॉबी ग्रेवाल ने किया है।